नई दिल्ली
शनिवार
25 मई, 2024
वर्षः 10, अंकः 263
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

इस बार देश में बदलाव की हवा चल...पेज-05

DELHIN/2014/58158

हिमाचल में एससी, एसटी, ओबीसी के आरक्षण...पेज-08

हिन्दी में प्रकाशित होने वाला सबसे लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
'सद्भावना टुडे'
में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :-
011-43678240
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

एक नजर

श्रीनिवास आर. कुलकर्णी खगोल विज्ञान पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक श्रीनिवास आर.कुलकर्णी को मिलीसेकंड पल्सर, गामा-रे बर्स्ट, सुपरनोवा और अन्य क्षणिक खगोलीय घटनाओं (ट्रांज़िएंट एस्ट्रोनॉमिकल इवेंट) के संबंध में उनके अभूतपूर्व अन्वेषण के लिए 2024 के लिए खगोल विज्ञान में 21वें शॉ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। श्री कुलकर्णी कैलटेक (कैलीफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान) में एस्ट्रोनॉमी एवं प्लेनेटरी साइंस (खगोल विज्ञान और ग्रह विज्ञान) के प्रोफेसर एवं प्रसिद्ध उद्यमी एन नारायण मूर्ति की पत्नी सुधा मूर्ति के छोटे भाई हैं। शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार द शॉ फाउंडेशन, हांगकांग द्वारा जारी प्रशस्ति पत्र में कहा गया है कि कुलकर्णी का खगोलीय पिंडों में समय के साथ परिवर्तन के क्षेत्र में अनुसंधान इस विषय के समझने में एक क्रांतिकारी योगदान है। श्री कुलकर्णी वर्ष 2006 से 2018 तक कैलटेक ऑप्टिकल ऑब्ज़र्वेटरीज़ के निदेशक रहे। टाइम-डोमेन एस्ट्रोनॉमी में कुलकर्णी के अग्रणी शोध ने, विशेष रूप से पालोमर ट्रांजिएंट फैक्ट्री और ज़्विकी ट्रांजिएंट फैसिलिटी के माध्यम से, गतिशील आकाश की समझ को बढ़ाने में मदद की है। शॉ पुरस्कार हांगकांग के दिवंगत परोपकारी, रन रन शॉ द्वारा स्थापित, किया गया है। शॉ पुरस्कार फाउंडेशन खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान तथा चिकित्सा और गणितीय विज्ञान में तीन वार्षिक पुरस्कार शामिल देता है जिसमें 12 लाख डालर की राशि प्रदान की जाती है। का मौद्रिक पुरस्कार प्रदान करने की व्यवस्था है।

कैबिनेट सचिव ने चक्रवात से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली,एजेंसी। कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता में शुक्रवार को यहां हुई राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति की बैठक में बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवात से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की गई। मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक ने समिति को खेपुपारा (बंगलादेश) से लगभग 800 किमी दक्षिण-दक्षिणपश्चिम और कैनिंग (पश्चिम बंगाल) से 810 किमी दक्षिण में मध्य बंगाल की खाड़ी पर दबाव की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। इसके उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने और शनिवार की रात तक एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। इसके बाद यह उत्तर की ओर बढ़ेगा और रविवार देर रात के आसपास सागर द्वीप और खेपुपारा के बीच बंगलादेश तथा आसपास के पश्चिम बंगाल तटों को पार करने की संभावना है।

अब तक हुए चुनाव में भाजपा व राजग को बहुमतः प्रधानमंत्री

पीएम नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के मंडी में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा

मंडी,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दावा किया कि देश में अब तक हुए पांच चरणों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को बहुमत से ज्यादा सीटें मिल चुकी हैं। श्री मोदी ने कहा,अब इसमें हिमाचल की चार सीटें जुड़ जाएंगी, तो सोने पर सुहागा हो जाएगा। मैं देख रहा हूं कि हिमाचल फिर एक बार 4-0 से हैट्रिक बनाने जा रहा है। देश लगातार तीसरी बार कांग्रेस को रिजेक्ट करने जा रहा है।

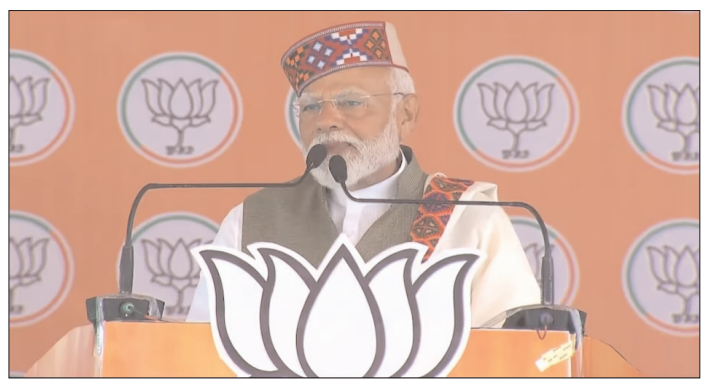

श्री मोदी ने आज हिमाचल के मंडी में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली के जिस 'शाही परिवार' ने हिमाचल को धोखा दिया, उसने फिर मुड़कर यहां अपनी शक्ल नहीं दिखाई है। श्री मोदी ने कहा की पालमपुर यहां से ज्यादा दूर नहीं है। आज याद दिलाना चाहता हूं कि पालमपुर में भाजपा की कार्यसमिति की बैठक थी, उसमें जो निर्णय हुआ था, उससे एक इतिहास रचा गया था। इसी अधिवेशन में भाजपा ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का संकल्प लिया था। यानी हिमाचल राम मंदिर के निर्माण की संकल्प भूमि है। हिमाचल में लिया गया वो ऐतिहासिक संकल्प सिद्ध हो चुका है। उन्होंने कहा कि 500 साल अविरत संघर्ष चला जिसमें लाखों लोगों ने शहादत दी। उन्होंने कहा कि ये इंतजार खत्म किया है आपके एक वोट ने, आपके वोट की ताकत के कारण आज अयोध्या में रामलला विराजमान हुए। हिमाचल खुश हुआ है, देवी-देवता आशीर्वाद बरसा रहे हैं। लेकिन, रामलला के विराजने से कांग्रेस खुश नहीं है। अगर आपके एक वोट ने मोदी की ताकत नहीं बढ़ाई होती, तो कांग्रेस कभी राम मंदिर नहीं बनने देती। उन्होंने कहा आपने दशकों तक कांग्रेस का शासन देखा है, कांग्रेस को ऐसा भारत पसंद है जहां गरीबी हो, संकट हो, नागरिक समस्याओं से घिरे हों। इसलिए वो देश में पुराने हालात वापस लाना चाहती है। वो देश के विकास में रिवर्स गीयर लगाना चाहती है। इसलिए कांग्रेस कह रही है कि अगर हम सत्ता में आएंगे तो 370 वापस लाएंगे व सीएए को खत्म करेंगे। कांग्रेस के साथी तो कह रहे हैं कि हम देश के परमाणु हथियार खत्म कर देंगे। मोदी ने समान नागरिक संहिता का संकल्प लिया है, भारत का नागरिक भले ही वो हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो, ईसाई हो, बौद्ध हों, उनके लिए एक समान नागरिक कानून होने चाहिए। लेकिन कांग्रेस समान नागरिक संहिता का विरोध कर रही है। कांग्रेस मुस्लिम पर्सनल लॉ के बहाने शरिया को समर्थन देती है। इस देश को वह नहीं बना सकते, जो सिर्फ बाप-दादा की विरासत पर ही जीते हैं। इस देश को वो बनाएंगे जो मिट्टी से उठकर पहाड़ जितनी ऊंचाइयां छूते हैं। इसलिए, आज भारत का भविष्य हमारे स्टार्ट अप्स शुरु करने वाले नौजवान हैं, स्पेस में अपनी सैटेलाइट भेजने वाले नौजवान हैं, खेतों में ड्रोन उड़ा रही बेटियां हैं, लड़ाकू विमान उड़ा रही बेटिया हैं। उन्होंने कहा,कांग्रेस उसी दकियानूसी सोच में डूबी हुई है। आपने देखा है कि कांग्रेस ने मंडी का नाम लेकर कंगना रनौत (स्थानीय भाजपा उम्मीदवार) जी के लिए जो भद्दी बातें कही हैं, वह मंडी का अपमान है, छोटी काशी का अपमान है, हिमाचल के अपमान है, हिमाचल की हर बेटी का अपमान है। श्री मोदी ने कहा, कांग्रेस 21वीं सदी में आ ही नहीं पाई, लोग आगे बढ़ते हैं, कांग्रेस उल्टा चलती है। ये 20वीं सदी की तरफ जा रही है, कांग्रेस का शाही परिवार घोर बेटी-विरोधी है, कांग्रेस महिला विरोधी है। हिमाचल में बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण स्थान हैं, कांग्रेस की सरकार तो इतनी डरपोक थी कि दलाई लामा जी का नाम लेने से भी डरती थी। मेरी तो दलाई लामा जी से अक्सर बात होती है, वो हमारी समृद्ध विरासत के प्रणेता हैं। भारत, बुद्ध का देश है और मोदी सरकार ने ज़ोर शोर से अपनी इस विरासत का प्रचार प्रसार किया है। श्री मोदी ने आरोप लगाया, कांग्रेस हिमाचल को बर्बादी के रास्ते पर ले जा रही है, इसलिए इसे रोकना जरूरी है। हिमाचल को कांग्रेस के शिकंजे से निकालने के लिए मुझे आपका साथ चाहिए। मैं हिमाचल की जनता से आग्रह करूंगा कि यहां विधानसभा उप-चुनाव में भी सभी छह सीटें भाजपा को जिताएं, हिमाचल के भविष्य सुनिश्चित करें। भाजपा की इस महा रैली में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि यह दिन ऐतिहासिक है जब इतना बड़ा जन सैलाब श्री मोदी की रैली में उभरा।

लोस चुनावः छठे चरण के मतदान के लिये तैयारियां पूरी, मतदान आज

नई दिल्ली,एजेंसी। लोक सभा चुनाव के छठे चरण में शनिवार को आठ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 58 संसदीय सीटों और ओडिशा विधानसभा के तीसरे चरण के लिये 42 सीटों पर मतदान सुचारु रूप से कराने के लिये आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। दिल्ली की सात सीटों सहित छठे चरण में सभी 58 सीटों पर मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक कराया जायेगा। कुछ मतदान केन्द्रों में मतदान समाप्त होने की समय परिवर्तित किया जा सकता है। छठे चरण में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी, भाजपा प्रवक्ता संवित पात्रा, भोजपुरी कलाकार एवं सांसद मनोज तिवारी, भोजपुरी गायक एवं भाजपा उम्मीदवार निरहुआ, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल समेत कई केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बंद हो जायेगा।

इस चरण में 58 लोकसभा सीटों पर 889 उम्मीदवारों और ओडिशा विधानसभा के तीसरे चरण के लिये 42 सीटों पर उतरे 44 महिलाओं सहित 383 उम्मीदवार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। ओडिशा विधानसभा की 147 सीटों में से पहले चरण में 13 मई को 28 और दूसरे चरण में 35 सीटों पर मतदान हो चुका है। आयोग की ओर से आज जारी विज्ञप्ति के अनुसार आठ राज्य/केंद्र-शासित प्रदेशों की कुल 58 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 11.13 करोड़ मतदाता 1.14 लाख रिपीट लाख मतदान केंद्रों पर वोट डाल कर 889 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला तय कर सकेंगे। इनमें 5.84 करोड़ पुरुष तथा 5.29 करोड़ महिला और 5120 उभयलिंगी मतदाता अपने मताधिकार शामिल हैं। चुनाव आयोग ने मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये हैं। साथ ही मुख्य चुनाव अधिकारियों एवं जिला चुनाव अधिकारियों को भीषण गर्मी और लू जैसे हालात को देखते हुये उचित प्रबंधन करने के लिये पर्याप्त उपाय करने की सलाह दी गयी है। चुनाव कर्मियों को मशीनों और सामग्री के साथ उनके संबंधित मतदान केंद्रों के लिये रवाना कर दिया गया है। साथ ही यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये हैं कि मतदान आरामदायक और सुरक्षित वातावरण में हो।

पिछड़ों का हक मार कर मुस्लिमों का आरक्षण देना चाहती है कांग्रेसः जेपी नड्डा

सोनभद्र,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जय प्रकाश नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ों का हक़ मार कर धर्म के नाम पर मुस्लिमों को आरक्षण देने की वकालत कर रही है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। हाइडल मैदान में शुक्रवार को एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि दस वर्ष पहले देश में निराशा का माहौल था और लोग यही मानते थे कि भारत की राजनीति निराशाजनक है और भारत में कुछ भी नहीं बदलने वाला है। दुनिया में भारत की छवि भ्रष्टाचारी और पिछलग्गू देश की थी लेकिन दस वर्षों के मोदी शासन के बाद देश विकसित भारत का संकल्प लेकर चल पड़ा है। उन्होने कहा 2024 में मोदी को प्रधान मंत्री बना कर आप विकसित भारत की नींव रखने वाले हैं। 70 साल की राजनीति में कांग्रेस ने भारत में सभी को एक दूसरे से लड़ाने का काम किया और मोदी ने सभी को एक दूसरे से जोड़ने का काम किया । जहां कांग्रेस का तरीक़ा फूट डालो और राज करो का था वहीं मोदी 140 करोड़ भारतीयों को अपना परिवार मानते हैं और सबको एक जुट करने का काम कर रहे हैं।

नड्डा ने कहा कि आज सबसे विकसित देश अमेरिका सहित आस्ट्रेलिया आदि की आर्थिक स्थिति डावांडोल है वहीं चीन, जापान आदि देश पिछड़ रहे हैं जबकि भारत ब्रिटेन को पिछाड़ कर पाँचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले तीन साल में तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होने कहा कि भारत दवा उत्पादन में दूसरे स्थान पर पहुँच गया है। कोरोना काल में वैक्सीन उत्पादन कर 100 देशों तक पहुँचाया और 48 देशों को मुफ़्त वैक्सीन दिया। पहले भारत माँगने वाले देश के रूप में जाना जाता था वहीं अब देने वाले देश के रूप में जाना जाता है। नेपाल, टर्की, श्रीलंका सहित कई देशों के संकट के समय में भारत सहयोग के लिए आगे खड़ा रहा । पहले गणेश, लक्ष्मी की मूर्ति सहित तमाम मूर्तियाँ चीन से आती थीं वहीं अब खिलौनों के उत्पादन में हम तीसरे नंबर पर पहुँच चुके हैं।

कोई बरामदगी नहीं हुई तो जो भी गिरफ्तार हुए हैं उन्हें छोड़ दीजिएः अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'अनुभवी चोर' वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह एक संकेत है कि प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया है कि कथित शराब घोटाला फर्जी है। केजरीवाल ने इस मामले में गिरफ्तार सभी लोगों को रिहा करने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि भाजपा चिल्ला रही है कि 100 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है लेकिन अभी तक कोई पैसा बरामद नहीं हुआ है। केजरीवाल ने कहा कि वे (भाजपा) पिछले दो साल से शोर मचा रहे हैं कि दिल्ली में शराब घोटाला हुआ है। उन्होंने मुझे, संजय सिंह, मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया। देशभर में 500 से ज्यादा छापे मारे गए। केजरीवाल ने कहा कि वे (भाजपा) कहते हैं कि मैंने सौ करोड़ रुपये की रिश्वत ली है। अभी थोड़े दिन पहले बोले कि 1100 करोड़ रुपये की रिश्वत ली गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे में बड़ा प्रश्न है कि जब रिश्वत ली गई तो वह पैसा कहीं रखा भी तो गया होगा। देशभर में 500 से ज्यादा छापे मारे लिए लेकिन इन्हें एक पैसा भी बरामद नहीं हुआ। हमने कहीं खर्च तो किया होगा इन्हें कहीं खर्चे का हिसाब-किताब भी नहीं मिला। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल इस मामले में एक जून तक अंतरिम जमानत पर हैं। केजरीवाल के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि केंद्रीय जांच एजेंसियों को कथित शराब घोटाला मामले में एक पैसा भी नहीं मिला और उन्होंने झूठा मामला बनाया, प्रधानमंत्री ने कहा, एक अनुभवी चोर के पास कई सुविधाएं होती हैं। एक पूर्व सरकारी अधिकारी जो जानता है कि किसी मामले में ईडी और सीबीआई कैसे आगे बढ़ेंगी, वह बहुत कुछ छिपा सकता है। उन्होंने कहा कि कल एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री से पूछा गया कि केजरीवाल कह रहे हैं कि मामले में कोई सबूत नहीं मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई पैसा नहीं मिला क्योंकि केजरीवाल एक अनुभवी चोर हैं।

अग्निपथ योजना में फंसे मोदी ले रहे हैं चुनाव आयोग का सहाराः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी जिस गलत नीति के कारण फंसते हैं, उससे बचने के लिए वह सहारा ढूंढते हैं और इस बार अग्निवीर योजना में फंसे हैं तो इससे निकलने के लिए वह चुनाव आयोग का सहारा ले रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल रोहित चौधरी ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अग्निपथ योजना गलत है और इससे सेना में भेदभाव हो रहा है। यह योजना देश, सेना और युवाओं के लिए गलत है इसलिए कांग्रेस की सरकार बनने पर इसे रद्द किया जाएगा लेकिन श्री मोदी इस योजना के कारण फंस गए हैं और अब वह आयोग का सहारा ले रहे हैं। कर्नल चौधरी ने लिखा, चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखा है कि चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी के स्टार प्रचारक डिफेंस फोर्सेज की ऑपरेशनल चीजों पर बात न करें।

मोदी के नेतृत्व में देश में भ्रष्टाचार और आतंकवाद का खात्माः योगी

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आतंकवाद और भ्रष्टाचार समाप्त हो गया है। पिपराइच में भाजपा प्रत्याशी रविकिशन शुक्ल के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के शासनकाल में सुबह की शुरूआत भ्रष्टाचार से होती थी तथा शाम होते.होते कहीं न कहीं आतंकी विस्फोट हो जाता था।आज तो पटाखा भी कहीं फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देते फिरता है कि इसमें मेरा हाथ नहीं है। यह नया भारत है जो किसी को छेड़ता नहीं है मगर किसी ने छेड़ा तो उसे छोड़ता भी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश का नाम और मान दुनिया में बढ़ाने वाली मोदी सरकार है तो दूसरी तरफ कांग्रेस और सपा का अनर्थकारी गठबंधन। इन दोनों के बीच जब भी गठबंधन हुआ तो अनर्थ ही हुआ है। जब

केंद्र में कांग्रेस और यूपी में सपा की सरकार थी तो अयोध्या में आतंकी हमला हुआ, वाराणसी में आतंकी हमला हुआ। इनके शासन में रामभक्तों पर गोलियां चलती थीं। हर तरफ अराजकता का तांडव था। उन्होने कहा कि अब यह अनर्थकारी गठबंधन अपने घोषणा पत्र में कह रहा है कि अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग का आरक्षण मुसलमानों में बांट देंगे। यह गठबंधन भारत में पर्सनल रूल यानी तालीबानी शासन लागू करने की फिराक में है। तालीबानी शासन यानी महिलाएं घरों से नहीं निकल सकतीं, बेटियां स्कूल नहीं जा सकतीं पर भाजपा किसी भी दशा में देश में तालीबानी शासन नहीं आने देगी। योगी ने कहा कि भाजपा का स्पष्ट कहना है कि यह देश शरीयत से नहीं संविधान से चलेगा। कांग्रेस और सपा की मंशा गोकशी की छूट देने की है। हिन्दू गाय को माता मानता है और कांग्रेस.सपा की मंशा कभी पूरी नहीं होने दी जाएगी। योगी ने कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग पाकिस्तान का राग आलापते हैं। ऐसे लोगों को भारत पर बोझ बनने की बजाय पाकिस्तान में ही चले जाना चाहिए। एक तरफ पाकिस्तान है जहां के लोग भूखों मर रहे हैं तो दूसरी तरफ मोदी जी के नेतृत्व वाला भारत है जो अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहा है। पाकिस्तान का राग आलापने वालों को वहां भीख भी नहीं मिलेगी। उन्होने कहा कि जब सही मत पड़ता है तो विकास, सुरक्षा, सम्मान और गरीब कल्याण की गारंटी होती है। जैसा कि जनता ने सही मत देकर मोदी सरकार बनाई तो आज देश में अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। 60 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये तक के इलाज के लिए आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है। अब तो तीसरी बार मोदी सरकार में 70 वर्ष से ऊपर के प्रत्येक बुजुर्ग को आयुष्मान का लाभ मिलने जा रहा है।

पाक के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) हमारा है और उसे लेकर रहेंगे, यह हमारा संकल्प हैः शाह

आरा,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को एक बार फिर दोहराया कि पाकिस्तान के परमाणु बम से हम नहीं डरते हैं, पाक के कब्जे वाला कश्मीर रिपीट पाक के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) हमारा है और हम उसको लेकर रहेंगे, ये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संकल्प है। श्री शाह ने आज यहां वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कहा, ये कांग्रेस और लालू जी का घमंडिया गठबंधन हमें डराता है कि पीओके की बात मत करो, पाकिस्तान के पास एटम बम है। मैं लालू यादव एंड कंपनी से कहना चाहता हूं कि हम तो भाजपा वाले हैं, पाकिस्तान के एटम बम से नहीं डरते। पीओके हमारा है,

रहेगा और हम उसको लेकर रहेंगे, ये भाजपा का संकल्प है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि घमंडिया गठबंधन वाले लोग हमारे पिछड़ा वर्ग के आरक्षण पर डाका डालना चाहते हैं और मुसलमानों के लिए आरक्षण लाना चाहते हैं। कल कोलकाता हाईकोर्ट ने उनके आरक्षण पर रोक लगाई। उन्होंने जोर देकर कहा, जब तक हम हैं आरक्षण को खत्म नहीं होने देंगे। आप एनडीए को 400 पार करा दो, हम मुस्लिम आरक्षण को खत्म कर पिछड़ा को देने का काम करेंगे। श्री शाह ने कहा कि घर्मांडिया गठबंधन गठबंधन के लोगों ने 12 लाख करोड़ का घोटाला भ्रष्टाचार किया लेकिन श्री नरेंद्र मोदी ने 23 साल तक प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री रहते हुए चार आने का भी भ्रष्टाचार नहीं किया। उन्होंने जनता से पूछा, अब आप 12 लाख करोड़ के घोटाले वाले को चुनना चाहेंगे या ईमानदार और गरीब का कल्याण करने वाले मोदी जी के प्रतिनिधि आर के सिंह को।

मतदान के दिन भी बीएलओ से बोलेंगे तब भी बुजुर्गों और दिव्यांगों को मिलेगी पिक एंड ड्रॉप की सुविधा

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान है। मुख्य निर्वाचन कार्यालय की ओर से मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए दिव्यांगों व बुजुर्गों को डिमांड पर पिक एंड ड्राप की सुविधा देने की तैयारी है। यदि कोई बुजुर्ग या दिव्यांग मतदान के दिन भी बूथ लेवल ऑफिसर या अन्य चुनाव से संबंधित अधिकारी से पिक एंड ड्राप की सुविधा मांगता है तो उसे यह सुविधा दी जाएगी। चलने में असमर्थ दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मतदान के दिन पिक एंड ड्रॉप की सुविधा चुनाव आयोग की ओर से दी जाएगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए पात्र मतदाताओं को 7738299899 नंबर पर एसएमएस में EPIC लिखने के बाद स्पेस देकर इपिक नंबर यानी वोटर आईडी कार्ड का नंबर लिखना है। इसके बाद स्पेस देकर PICK लिखना है। इस तरीके से पिक एंड ड्राप के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन का समय 24 मई दोपहर 12 बजे तक था, लेकिन मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए समय को और बढ़ा दिया गया है। मुख्य

निर्वाचन अधिकारी दिल्ली की ओर से पिक एंड ड्राप का एक एप्लीकेशन भी बनाया गया है। इसे प्ले स्टोर से डाउनलोड कर उसमें अपना मोबाइल नंबर डालें। ओटीपी आएगा उसे डालें। इसके बाद इपिक नंबर डालकर पिक एंड ड्राप की सुविधा ले सकते हैं। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, मतदान के दिन भी यह सुविधा चलेगी। यदि कोई पात्र मतदाता मतदान के दिन पिक एंड ड्राप की सुविधा के लिए बीएलओ या अन्य अधिकारियों से संपर्क करता है तो उसे यह सुविधा दी जाएगी।

दिल्ली में 85 वर्ष से अधिक व दिव्यांग मतदाताओं की संख्या:

लोकसभा क्षेत्र	85+ मतदाता दिव्यांग मतदाता	
चांदनी चौक	15875	8033
दक्षिणी दिल्ली	11044	11306
नई दिल्ली	16614	6042
उत्तर पूर्वी दिल्ली	12030	14394
पूर्वी दिल्ली	12917	10165
उत्तर पश्चिमी दिल्ली	11545	13799
पश्चिमी दिल्ली	17798	13741
कुल मतदाता	97,823	77,480

पिक एंड ड्राप के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था: 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों व दिव्यांगों को मतदान केंद्र तक लाने ले जाने के लिए चुनाव आयोग की ओर से ई-रिक्शा व अन्य वाहनों के इंतजाम किए गए हैं। सातों लोकसभा क्षेत्र में रिटर्निंग आफिसर को वाहनों को हायर करने का आदेश दिया गया था। मतदाताओं की मदद के लिए 8000 वॉलंटियर रहेंगे। मतदान केंद्रों पर 3500 व्हीलचेयर की व्यवस्था भी रहेगी।

दिल्ली में चुनाव के लिए प्रशासन ने कसी कमर, ईवीएम लेकर मतदान केंद्र के लिए निकले

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शनिवार को होने वाले छठे चरण के मतदान के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। प्रशासन मतदान को सुगम और सुरक्षित बनाने की तैयारी में जुट गया है। चुनाव की ड्यूटी में लगे कर्मी कल के चुनाव के लिए ईवीएम मशीन लेकर मतदान केंद्र के लिए निकल गए हैं। प्रशासन की ओर से अब सभी तैयारियां अपने अंतिम दौर पर है। इसी को लेकर अब मतदान केंद्र पर होने वाले वोटिंग के लिए मशीनें रवाना होनी शुरू हो गई है। इसके लिए विशेष ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को उनकी जिम्मेदारियों के साथ लगा दिया गया है। इसके अलावा स्ट्रॉन्ग रूम से ड्यूटी पर लगे कर्मी ईवीएम मशीन लेकर मतदान केंद्र के लिए निकल रहे हैं। हालांकि, ड्यूटी पर लगे कर्मियों को मतदान केंद्र पर पहुंचाने के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किया है। इसके अलावा उनकी सुरक्षा व्यवस्था का भी खास ख्याल रखा गया है। बता दें, दिल्ली में सात लोकसभा के लिए शनिवार की सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। दिल्ली में 2627 जगहों पर कुल 13,641 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। हर एक मतदान केंद्र पर पोलिंग पार्टी में 5 अधिकारी तैनात किए गए हैं। इस तरह कुल करीब 70 हजार कर्मचारी मतदान कराने की ड्यूटी में होंगे। इसके अलावा करीब 30 प्रतिशत अतिरिक्त कर्मचारी रिजर्व रखे गए हैं। दिल्ली में 162 प्रत्याशी चुनावी मैदान में और 13,641 ईवीएम में 27,342 पोस्टल यूनिट इस्तेमाल होगी।

महिला के मायके में गोलीबारी करने पर पति-ससुर गिरफ्तार

नई दिल्ली। लक्ष्मी नगर में पत्नी के मायके में गोलीबारी करने के मामले में पुलिस ने बुधवार को दो लोगों को मेरठ से गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान पीड़िता सीमा के पति दानिश अली और ससुर अफसर अली के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से सीमा के तीन साल के बेटे साद और लूटे गए दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। वहीं, गोली चलाने वाले आरोपी जावेद उर्फ मुंशी अभी फरार है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया? कि लक्ष्मी नगर थाना पुलिस को मंगलवार रात किशन कुंज में गोलीबारी की सूचना मिली थी। गोली बिलाल नामक युवक के पैर में लगी थी। जांच में सामने आया कि 27 वर्षीय सीमा की शादी मेरठ के खरदौनी (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले 42 वर्षीय दानिश से हुई थी। दानिश की यह दूसरी शादी है। एक माह पूर्व झगड़े के बाद सीमा अपने मायके आ गई थी। मंगलवार रात करीब 11ः00 बजे उसका पति दानिश, ससुर अफसर, देवर आमिर, दोस्त जावेद और अन्य कुछ लड़के लक्ष्मी नगर आए और सीमा की बहन राहत परवीन की गोद से बेटे साद को छीन लिया। मदद के लिए चिल्लाते हुए राहत उनके पीछे दौड़ी। शोर सुनकर मौके पर जुटी भीड़ को देकर जावेद ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद सभी आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। इस मामले में पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी थी। बुधवार को एक गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों को मेरठ स्थित उनके मूल निवास से गिरफ्तार किया।

दिल्ली की सातों सीटों पर भाजपा ने किया जीत का दावा

नई दिल्ली। दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत का दावा किया है। शुक्रवार को दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने प्रेस वार्ता में दावा किया कि भाजपा दिल्ली की सभी सीटों पर ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी। शनिवार को सातों सीटों पर वोटिंग होनी है। इस मौके पर वीरेन्द्र सचदेवा ने यह भी अंदेशा जताया कि चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के लिए विपक्षी पार्टियां बिजली की आपूर्ति को बाधित कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि चुनाव में अड़चने डालने के लिए विपक्षी पार्टियों ने बिजली की आपूर्ति को बाधित करने की योजना बनाई है ताकि इस गर्मी में चुनाव कर्मचारी सुचारू रूप से मतदान न करवा सकें। उन्होंने कहा कि हमने चुनाव आयोग से मांग की है कि वे इस तरह की अड़चनों को चुनाव को सुचारू रूप से संपन्न करवाना सुनिश्चित करें। शुक्रवार को इस मौके पर दिल्ली की सभी सातों सीटों के भाजपा उम्मीदवार भी मौजूद रहें। उन्होंने चुनावी प्रचार-प्रसार के 80 दिनों के अनुभवों को साझा किया। इस मौके पर उत्तर -पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीट से प्रत्याशी मनोज तिवारी ने कहा कि इस चुनाव प्रचार-प्रसार के दौरान उन्होंने अनुभव किया कि इस क्षेत्र में पिछली सरकारों ने कोई काम नहीं किया। लोगों को अच्छी तरह पता है कि किसने वादाखिलाफी की है। लोग नरेन्द्र मोदी को फिर से तीसरी बार प्रधानमंत्री देखना चाहते हैं। चुनावी प्रचार के दौरान सभी वर्ग के लोगों ने मोदी पर भरोसा जताया है। पश्चिमी दिल्ली की प्रत्याशी कमलजीत सहरावत ने कहा कि क्षेत्र के सभी लोगों से बहुत स्नेह मिल रहा है। सभी वर्ग के लोग केन्द्र सरकार के काम से खुश हैं और मोदी को दोबारा चुन कर केन्द्र में लाना चाहते हैं। रिक्शेवाले से बातचीत का उल्लेख करते हुए कमलजीत ने कहा कि कैसे उसे अभिनंदन की वापसी के पल याद हैं। नई दिल्ली से प्रत्याशी बांसुरी स्वराज ने कहा कि मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण क्षेत्र के लोगों का समर्थन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि वे इस क्षेत्र में एक स्टार्ट अप हब स्थापित करना चाहती हैं ताकि लोग अपना स्वयं का रोजगार शुरू कर सकें। चांदनी चौक सीट से प्रत्याशी प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस क्षेत्र के सभी वर्गों का समर्थन मिल रहा है।

दिल्ली में कुल 1.52 करोड़ मतदाता, इनमें 2.52 लाख नए वोटर

नई दिल्ली। दिल्ली में लोकसभा की सात सीटों पर होने वाले मतदान के लिए चुनाव आयोग की ओर से तैयारियां शुरू हो गईं। आज सुबह 10 बजे से दिल्ली के सातों संसदीय क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर चुनाव सामग्री भेजने का काम शुरू हो गया। मतदाताओं को मतदान के दौरान मतदान केंद्रों पर अपनी बारी का इंतजार करने में कोई परेशानी नहीं होगी। जरूरत पड़ने पर चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पी कृष्णमूर्ति ने मीडिया में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दिल्ली में 1.52 करोड़ के करीब मतदाता हैं। पहली बार नए 2.52 लाख मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि दिल्ली में लू की स्थिति को देखते हुए सभी मतदान केंद्रों पर एक प्रतीक्षा क्षेत्र बनाया गया है। चिकित्सीय सुविधा के तहत प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक पैरामेडिकल स्टाफ तैनात किया जाएगा।

लंदन से लौटने के बाद राघव चड्ढा पत्नी परिणीति के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे, पूजा-अर्चना भी की

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा पत्नी परिणीति चोपड़ा के साथ शुक्रवार को मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने भगवान की पूजा-अर्चना भी की और आशीर्वाद लिया। इस दौरान दोनों सफेद कपड़े में पहुंचे थे। बता दें, राघव चड्ढा हाल ही में लंदन से लौटे हैं, जहां उनकी आंखों की सफल सर्जरी की गई थी। बता दें, हाल ही में राघव चड्ढा को दिल्ली में सीएम अरविंद केजरीवाल की जनसभा में भी देखा गया था। वह लंदन से लौटने के बाद सीधे केजरीवाल से मिलने पहुंचे थे। राघव चड्ढा ने आप के बीजेपी मुख्यालय तक हुए मार्च में भी हिस्सा लिया था। इस दौरान वह काले चश्मे में देखे गए थे। आम आदमी पार्टी के मुताबिक राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को रेटिना डिटेचमेंट%नामक बीमारी थी, जो आंखों से संबंधित है। इसके लिए उन्होंने विट्रेक्टोमी आई सर्जरी कराई थी। वह इसी सिलसिले में ब्रिटेन में थे। लंबे समय तक आराम करने के बाद वह कुछ दिन पहले ही भारत लौट आए। रेटिना डिटेचमेंट आंखों में होनेवाली एक गंभीर बीमारी है। अगर इसमें तत्काल सर्जरी नहीं की गई तो इससे आंखों की रोशनी जा सकती है। इस बीमारी में रेटिना में छोटे छेद होने लगते हैं और यह तेजी से बढ़ता जाता है। रेटिना आंखों के पीछे मौजूद नाजुक परत होता है। अगर समय रहते विट्रेक्टोमी सर्जरी नहीं कराई गई तो इससे इंसान अंधा तक हो सकता है। विट्रेक्टोमी सर्जरी के दौरान सर्जन विट्रियस को हटा देते हैं। विट्रियस एक जेल की तरह होता है जो आंखों और रेटिना के बीच के गैप को भरता है।

मतदान आंकड़े अपलोड करने का मामला: चुनाव बाद नियमित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध होगा केस

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें निर्वाचन आयोग को मतदान केंद्रवार मतदान प्रतिशत आंकड़े अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। न्यायालय ने कहा कि निर्वाचन आयोग के लिए वेबसाइट पर मतदान प्रतिशत के आंकड़े अपलोड करने के काम में लोगों को लगाना मुश्किल होगा।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि वह फिलहाल ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं कर सकती क्योंकि चुनाव के पांच चरण संपन्न हो चुके हैं और दो चरण बाकी हैं। शीर्ष अदालत ने एनजीओ 'असोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स% (एआरडी) की ओर से दाखिल अंतरिम अर्जी (एआई) स्थगित कर दी और इसे चुनाव बाद नियमित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा। पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि अर्जी में किया गया अनुरोध इसी मुद्दे पर 2019 से लंबित मुख्य याचिका के समान हैं। पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग के लिए वेबसाइट पर मतदान प्रतिशत के आंकड़े अपलोड करने के काम में लोगों को लगाना मुश्किल होगा। पीठ ने कहा,'' एआई में कोई भी राहत देना मुख्य याचिका में राहत देने के समान होगा,जो लंबित है। उच्चतम न्यायालय ने 17मई को एनजीओ की याचिका पर निर्वाचन आयोग से एक हफ्ते के अंदर जवाब मांगा था जिसमें लोकसभा चुनाव के प्रत्येक चरण का मतदान संपन्न होने के 48 घंटे के अंदर मतदान केंद्रवार मत प्रतिशत के आंकड़े आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। एआरडी ने अपनी 2019 की जनहित याचिका में एक अंतरिम आवेदन दायर किया जिसमें उसने निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने की अपील की कि सभी मतदान केंद्रों के 'फॉर्म 17 सी भाग-प्रथम (रिकॉर्ड किए गए मत) की स्कैन की गई पढ़ने योग्य प्रतियां% मतदान के तुरंत बाद अपलोड की जाएं।

दिल्ली में वोटिंग के दिन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था का इंतजाम

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शनिवार को होने वाली वोटिंग के लिए मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियां पहुंचने लगी है। साथ ही मतदान केंद्रों पर पहुंचने वाले मतदाताओं को किसी भी तरह की कोई परेशानी ना हो इसकी भी तैयारियां की गई है।

पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के पांडव नगर वार्ड में बनाए गए एक मतदान केंद्र पर आने वाले मतदाताओं को धूप से बचाने के लिए पंडाल की व्यवस्था की गई है। इस केंद्र पर पांच बूथ बनाए गए हैं। सभी बूथों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा यहां पीने के पानी की भी व्यवस्था की गई है। साथ ही महिला और पुरुष टॉयलेट की भी अलग-अलग व्यवस्था है। दरअसल, मतदाताओं को असुविधा से बचाने और मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग की तरफ से लगातार प्रयास में किए जा रहे हैं। यहां तक की बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक लाने के लिए पिकअप एंड ड्रॉप की सुविधा भी दी गई है। इस सुविधा को प्राप्त करने के लिए आज दोपहर तक लोगों से आवेदन मांगे गए थे। साथ ही ज्यादा बुजुर्ग मतदाताओं के लिए घर से भी मतदान करने की सुविधा दी गई थी। इसके अलावा, मतदान केंद्रों पर भी मतदाताओं को किसी भी तरह की असुविधा से बचाने के लिए सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मेडिकल फैसिलिटी के लिए भी हर मतदान केंद्र पर एक टेबल की व्यवस्था की जा रही है, जिस पर फर्स्ट एड की सुविधा उपलब्ध रहेगी। बता दें, दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर शनिवार सुबह सात बजे से मतदान शुरू होगा जो शाम पांच बजे तक चलेगा। पांच बजे तक जो भी मतदाता मतदान केंद्र पर पहुंच जाएंगे उन सब को वोट डालने का मौका मिलेगा। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए दिल्ली पुलिस और अर्ध सैनिक बल के जवानों की तैनाती की गई है। लेडीज पुलिस को भी सभी मतदान केंद्रों पर लगाया गया है।

16 साल से भगोड़ा घोषित अपराधी को दिल्ली पुलिस ने धर दबोचा

शाहनवाज सैफ, संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली क्राइम ब्रांच ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए जघन्य मामलों के वांछित/फरार आरोपियों और पैरोल जंपर्स का पता लगाने की कार्रवाई की जा रही है। डीसीपी अमित गोयल के मुताबिक सब इंस्पे क्ट र देवेंदर सिंह और कांस्टेघबल रविंदर को ऐसे अपराधियों के बारे में जानकारी एकत्र करने का जिम्मो सौंपा गया था। इस कड़ी में 2008 से फरार नजफगढ़ में हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपी नूर मोहम्माद के बारे में सुराग लगा। इसके बाद उसकी धरपकड़ के लिए एसीपी रमेश चंद्र लांबा के निगरानी में एक टीम का गठन किया गया।

आरोपी नूर मोहम्मकद (47) अलग रह रही अपनी पत्नीं की हत्याी करने के प्रयास के मामले में जुलाई, 2006 से फरार चल रहा था। द्वारका कोर्ट ने नूर मोहम्मतद को नवंबर, 2008 में भगोड़ा घोषित किया था। इसके बाद से पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। आरोपी के खिलाफ नजफगढ़ थाने में आईपीसी की धारा 307 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस टीम ने ट्रैप बनाकर आरोपी को पकड़ा: आरोपी के बारे में ओर ज्या दा जानकारी एकत्र

करने के लिए दिल्ली में रहने वाले असम के मूल निवासियों की मदद से नूर मोहम्मद के वर्तमान ठिकाने के बारे में जानकारी एकत्र की गई। आरोपी का सुराग लगने के बाद पुलिस टीम असम के दक्षिण सालमारा के मनकाचर पहुंची जो बांग्लादेश सीमा के बेहद करीब इलाका है। यह पूरा एरिया बहुत दुर्गम और जंगली है। इसके चलते टीम के ऑपरेशन के बारे में भनक लगने की प्रबल संभावना थी। इस तरह की स्ग्लिति को ध्यान में रखते हुए टीम ने खुद को एक एनजीओ (लकड़ी काटने वालों की मदद करने वाले) के सदस्यों के रूप में पेश किया। इस दौरान टीम ने लगातार तीन दिनों तक इलाके में सिलसिलेवार तरीके से सर्वे किया जिसके बाद आरोपी नूर मोहम्मद की पहचान कर उसे पकड़ने में कामयाबी हासिल की। पत्नी पर किया था जानलेवा हमला: डीसीपी के मुताबकि, आरोपी नूर मोहम्मद अलग रह रही पत्नी से वैवाहिक विवाद में समझौता करने के बहाने 17/18 जुलाई 2006 की मध्यरात्रि में उसके नजफगढ़ स्थित आवास पर गया था। दोनों के बीच झगड़ा हो गया था। इस दौरान नूर मोहम्मद ने गुस्साग होने के बाद अपनी पत्नीब पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया था। उसको मारने के इरादे से पत्नी के चेहरे और सिर पर हमला किया। इस हमले में वो गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद वह उसको मरणासन्न हालत में छोड़कर भाग गया। नजफगढ़ थाने में आईपीसी की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। दूसरी पत्नी के साथ असम में रह रहा था: आरोपी नूर मोहम्म द 1997 में रोजी रोटी की तलाश में असम से 1997 में दिल्ली आया था। दिल्ली के भोगल इलाके में कबाड़ी का काम करने वाले नूर ने साल 2000 में मुनीजा नामक महिला से शादी कर ली थी, लेकिन कुछ सालों बाद ही दोनों के वैवाहिक जीवन में विवाद खड़ा हो गया। इसके बाद वह दोनों अलग हो गए थे। अपनी पत्नी को मौत के घाट उतारने के लिए आरोपी 2006 में उसके नजफगढ़ आवास पर समझौता करने के बहाने गया था।

मेट्रो स्टेशन की दीवारों पर केजरीवाल को धमकी भरा संदेश लिखने वाले आरोपी को मिली जमानत

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मेट्रो स्टेशन की दीवार पर धमकी भरा संदेश लिखने के मामले में आरोपित अंकित गोयल को तीस हजारी कोर्ट ने जमानत दे दी। उत्तर प्रदेश के बरेली के रहने वाले अंकित को गिरफ्तार करने के बाद दिल्ली पुलिस ने मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया था, जहां से उसे जमानत मिल गई। अदालत ने आरोपित को जमानत देते हुए कहा कि आरोपित के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत लगाए गए अपराध जमानती थे। बरेली में एक पीएसयू बैंक में क्रेडिट मैनेजर अंकित गोयल इंजीनियरिंग स्नातक है। इससे पहले उसने भारत के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न सॉफ्टवेयर कंपनियों में इलेक्ट्रॉनिक और सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ के रूप में काम किया। 22 मई को दिल्ली पुलिस उसे गिरफ्तार कर दिल्ली लाई थी। **आरोपी ने मेट्रो की संपत्ति को क्षति पहुंचाई:** मेट्रो स्टेशन और कोचों के अंदर मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ धमकी भरा संदेश लिखते पाए जाने के बाद दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। पुलिस ने अदालत को अपनी जांच के बारे में भी बताया। पुलिस ने कहा कि जांच से पता चला कि आरोपित बाराखंभा मेट्रो स्टेशन से ट्रेन में चढ़ा और विभिन्न स्थानों पर मेट्रो की संपत्ति को क्षति पहुंचाई।

एक नजर

नशे के आदी नाबालिग ने अपने ही घर से ज्वैलरी चुराई

नई दिल्ली। नशे के आदि एक नाबालिग ने दोस्त के साथ मिलकर अपने ही घर में चोरी की साजिश रची डाली। द्वारका जिला पुलिस की एंटी सेंधमारी सेल ने 22 मई को सोलंकी ब्रिज बिंदापुर से आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया। आरोपी मोनू के पास से चोरी के दो मोबाइल और ज्वैलरी बरामद की है। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 19 मई को एस-4 चाणक्य पैलेस-द्वितीय के रहने वाले विजय प्रसाद गुप्ता ने अपने घर में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। डाबरी थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। इंस्पेक्टर विवेक की टीम ने घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। फुटेज से पुलिस ने आरोपी का फोटो बरामद किया। इसकी मदद से आरोपी की पहचान कर उसे बिंदापुर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि शिकायतकर्ता का नाबालिग बेटा उसका दोस्त है। करीब 15 दिन पहले नाबालिग ने पैसे उधार मांगे थे, लेकिन पैसे न होने के चलते उसे मना कर दिया। इसे बाद दोनों ने चोरी की साजिश रची। 17 मई को वह उसके घर गया। जहां दोनों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने नाबालिग के पास से भी ज्वैलरी बरामद कर ली है।

गर्दन पर चाकू लगाकर लूटा, विरोध करने पर पीटा

नई दिल्ली। उत्तम नगर में 19 मई की देर रात दो बदमाशों ने नौकरी से घर लौट रहे एक युवक के साथ लूट पाट की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने गर्दन पर चाकू लगाकर पीड़ित के पैसे लूट लिए। विरोध करने पर उसकी जमकर पिटाई कर दी। उत्तम नगर थाना पुलिस ने पीड़ित के बयान पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 23 वर्षीय राजन गुप्ता अपने परिवार के साथ सैनिक एंक्लेव, मोहन गार्डन में रहता है। राजन जनकपुरी स्थित एक आरओ बनाने वाली कम्पनी में नौकरी करता है। पुलिस को दिए बयान में पीड़ित ने बताया कि 19 मई की देर रात वह अपना काम खत्म कर घर लौ रहा था। रास्ते में दो बदमाशों ने जबरन उसे रोक लिया। आरोपियों ने रोकते ही उसकी गर्दन पर चाकू लगा दिया और पांच हजार रुपये लूट लिए और उसकी पिटाई कर फरार हो गए। उनके जाने के बाद पुलिस को वारदात की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल लेकर गई। पुलिस घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान का प्रयास कर रही है।

पार्षद सुधीर कुमार मामले में कहां गया बाबा का बुलडोजरः डॉ बीपी त्यागी

गाजियाबाद। बड़ी ही अफ़सोस जनक बात है, सोचनीय बात यह है कि अगर एक नेता के व्यवहार पर उसके घर बुलडोजर चलाया जा सकता है तो ठीक ऐसे ही दूसरे मामले में योगी सरकार का बुलडोजर आखिर शांत क्यों हो गया है। इस बात को राष्ट्रवादी नवनिर्माण दल के प्रदेश महासचिव और हर्ष ईएनटी अस्पताल के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. बीपी त्यागी ने कहा है कि यह दोहरा मापदंड है, उन्होंने साफगोई के साथ कहा कि अभी कुछ समय पहले ही भाजपा में रहे और वर्तमान में राष्ट्रवादी नवनिर्माण दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीकांत त्यागी के कुछ समय पहले एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें उनके और एक महिला के बीच विवाद होता दिख रहा था इस वीडियो के वायरल होने के बाद पूरा पुलिस प्रशासन तुरंत एक्शन मोड में आ गया था। जिसके बाद श्रीकांत त्यागी के घर पर बुलडोजर की कार्रवाई भी की गई थी। लेकिन जब दोबारा ऐसा ही एक मामला सामने आया जिसमें भाजपा का पार्षद एक महिला के साथ अभद्रता करता दिखाई दे रहा है इस प्रकरण में बाबा का बुलडोजर शांत क्यों है। उन्होंने कहा कि यह दोहरा मापदंड है। डॉ. त्यागी ने कहा कि अगर एक प्रकरण में बुलडोजर की कार्रवाई की गई तो दूसरे में क्यों नहीं की जा रही आखिर इसका क्या मतलब है। उन्होंने पीड़ित महिला के लिए न्याय की मांग की है और पीड़ित परिवार के लिए पुलिस की सराहना भी की।

एक ही परिवार के छह लोगों ने काटी हाथ की नस, मुखिया की मौत

फरीदाबाद। सराय थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-37 में मकान नंबर 406 में एक व्यापारी व उसके परिवार के पांच अन्य सदस्यों ने सुसाइड के लिए अपने हाथ की नसें काट लीं। इससे उनका खून बह गया। सभी छह जनों, जिनमें दो महिलाएं हैं, को एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। वहां पर बुजुर्ग व्यापारी श्याम गोयल (70) की मौत हो गई। अन्य पांच का अभी इलाज चल रहा है। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार फरीदाबाद में सेक्टर 37 में रहने वाले श्याम सुंदर का चांदनी चौक में देसी घी का कारोबार है। कुछ लोग आधी रात को लोन की वसूली के लिए उनके घर पहुंचे। इस दौरान ये व्यक्ति व्यापारी के गार्ड को उठा ले गए। इसके बाद परिवार के सभी सदस्यों ने अपने हाथ की नस काट ली। इसमें परिवार के मुखिया 70 वर्षीय श्याम गोयल की मौत हो गई। परिवार के 5 अन्य सदस्यों साधना गोयल (67), अनिरुद्ध गोयल (45), निधि गोयल (42), धनंजय गोयल (19), हिमांक गोयल (15) का सेक्टर 21 स्थित निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने श्याम सुंदर के शव को कब्जे में लेकर बीके सिविल अस्पताल में भेजा है। वारदात को लेकर छानबीन चल रही है। परिवार के बयान के आधार पर पुलिस आगामी कार्रवाई करेगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में पोलिंग पार्टियों की हुई रवानगी

फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह के निर्देशन में शुक्रवार को विधानसभा वार अलग-अलग स्थानों से पोलिंग पार्टियों को उनके पोलिंग बूथों के लिए रवाना किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी रवानगी केंद्रों का दौरा करते हुए पोलिंग पार्टियों में शामिल कर्मचारियों से सीधी बातचीत की।

जिला फरीदाबाद में लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत छह मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां स्ट्रोंग रूम भी स्थापित किये गये हैं। इनमें सुषमा स्वराज महाविद्यालय बल्लभगढ़, गुर्जर भवन, पंजाबी भवन, एनआईटी लखानी धर्मशाला, दौलतराम धर्मशाला और सेक्टर-14 स्थित डीएवी स्कूल का सभागार शामिल हैं। इन स्थानों से आज पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया, जिसके पहले सभी स्थानों पर पोलिंग पार्टियों को विस्तार से ट्रेनिंग दी गई। सभी पार्टियों को पुनः ईवीएम संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। कर्मियों की शंकाओं का समाधान किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने सभी केंद्रों का दौरा करते हुए गंभीरता से सारी प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ड्यूटीरत कर्मचारियों से पोलिंग के संदर्भ में सवाल भी किए। साथ ही कर्मचारियों को प्रोत्साहित भी किया कि वे पूर्ण पारदर्शिता के साथ बेहतरीन रूप में शांतिपूर्वक मतदान करवायें। उन्होंने सभी केंद्रों में स्थापित स्ट्रोंग रूम का भी जायजा लिया। साथ में सहायक निर्वाचन अधिकारियों से बातचीत करते हुए जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव के तहत सभी पोलिंग बूथों की वेबकास्टिंग करवायेंगे, जिसका कंट्रोल रूम लघु सचिवालय में स्थापित किया गया है। वेबकास्टिंग की सहायता से सभी बूथों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। हर प्रकार की छोटी-बड़ी घटना कैमरे में कैद होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि 25 मई को मतदान सुबह 07:00 बजे शुरू होकर सायंकाल 06:00 बजे तक जारी रहेगा। उन्होंने गर्मी की अधिकता को देखते हुए मतदाताओं से अपील की कि वे सुबह जल्दी वोट डालने को प्राथमिकता दें। उन्होंने बताया कि गर्मी से बचाव के लिए बूथों पर भी विशेष प्रबंध किये गये हैं। मतदाताओं के लिए बहुत से नामी ब्रांडिड शोरूम विशेष छूट प्रदान कर रहे हैं, जिसका लाभ मतदाताओं को उठाना चाहिए। इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद शर्मा, सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं सीईओ जिला परिषद सतबीर मान, एसडीएम अमित मान, एसडीएम शिखा आंतिल, एसडीएम त्रिलोकचंद, एस्टेट ऑफिसर सिद्धार्थ दहिया आदि अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रमंडल खेल गांव को 'स्ट्रॉन्ग रूम' घोषित किया, पुलिस ने जारी किया यातायात परामर्श

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने लोकसभा चुनाव के लिए 'स्ट्रॉन्ग रूम और मतगणना केंद्र घोषित किए गए राष्ट्रमंडल खेल गांव के आसपास के क्षेत्र में शुक्रवार के लिए यातायात परामर्श जारी किया है। दिल्ली यातायात पुलिस ने बृहस्पतिवार को 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राष्ट्रमंडल खेल गांव को 'स्ट्रॉन्ग रूम और मतगणना केंद्र बनाया गया है। 24 मई को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक (क्षेत्र में) बड़ी संख्या में चुनाव की ड्यूटी से संबंधित बसों और अन्य वाहनों की आवाजाही की उम्मीद है। पुलिस ने सराय काले खां/एमजीएम से राष्ट्रीय राजमार्ग-24 की ओर जाने वाले यात्रियों को सीधे अक्षरधाम फ्लाईओवर की ओर जाने और पुस्ता रोड, आईटीओ या विकास मार्ग तक पहुंचने के लिए बाएं मुड़ने की सलाह दी है। आईटीओ या पुस्ता रोड की ओर से आने वाले लोगों को अक्षरधाम फ्लाईओवर तक जाने और उसे पार करने के बाद 'यू-टर्न लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग -24 पर दिल्ली की जाने की सलाह दी गई है। पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि वे उक्त मार्गों पर यात्रा करने से बचें और अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करके सहयोग करें। पुलिस ने कहा कि आईएसबीटी, रेलवे स्टेशनों या हवाईअड्डे की ओर जाने वाले यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा में किसी भी अप्रत्याशित देरी की आशंका के चलते पर्याप्त समय लेकर चलें।

निर्वाचन आयोग ने दिल्ली-एनसीआर के मतदाताओं से बड़ी संख्या में वोट देने की अपील की

शोएब आलम, संद्भावना टुडे

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं से लोकसभा चुनाव के छठे चरण में शनिवार को बड़ी संख्या में वोट देने की अपील की। आयोग ने 20 मई को पांचवें चरण का मतदान संपन्न होने के बाद कहा था कि मुंबई, ठाणे, नासिक और लखनऊ जैसे विभिन्न शहरों के निर्वाचन क्षेत्रों में 2019 के चुनाव की तरह ही मतदान के प्रति शहरी मतदाताओं की उदासीनता रही। निर्वाचन आयोग ने छठे चरण के चुनाव की तैयारी के सिलसिले में शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं को उनके मताधिकारों के प्रति विशेष रूप से जागरूक किया जा रहा है। इस सप्ताह की शुरूआत में भी, आयोग ने उल्लेख किया था कि मुंबई, ठाणे और लखनऊ में मतदाता अतीत में मतदान के प्रति उदासीन रहे हैं तथा उसने इन शहरों में रह रहे लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की। आयोग ने तीन मई को, दूसरे चरण के चुनाव के मतदान प्रतिशत का संदर्भ देते हुए कहा था कि कुछ महानगरों में मत प्रतिशत से वह निराश है। आयोग ने पिछले महीने कई शहरों के आयुक्तों की यहां एक बैठक की थी ताकि शहरी मतदाताओं की मतदान के प्रति उदासीनता को दूर करने की रणनीति पर काम किया जा सके।

सरकारी अस्पताल में टीबी की दवाई की कमी, मरीज परेशान

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद शहर के में बीके अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों को एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जिले में टीबी के मरीजों को समय पर दवाई नहीं मिल पा रही है। जिला टीबी यूनिट में आने पर मरीजों को इधर से उधर भटकाया जा रहा है। मरीज तथा परिजन परेशान हैं कि जब उन्हें टीबी की पुष्टि की गई है तो दवा मिलने में देरी क्यों हो रही है। टीबी यूनिट में आने पर मरीजों ने दवाई ना मिलने पर नाराजगी जताई है। बता दें कि राष्ट्रीय टीबी कार्यक्रम के तहत फरीदाबाद जिले के मोहना, बल्लभगढ़, खेड़ी कला, सेक्टर 3 तिगांव, पाली, डबुआ कॉलोनी, पल्ला और जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल परिसर में टीबी यूनिट चल रही है। जहां से मरीजों को दवा उपलब्ध कराई जाती है। दवा के मामले में कई दिनों से टीबी यूनिट की स्थिति बिगड़ी हुई है।

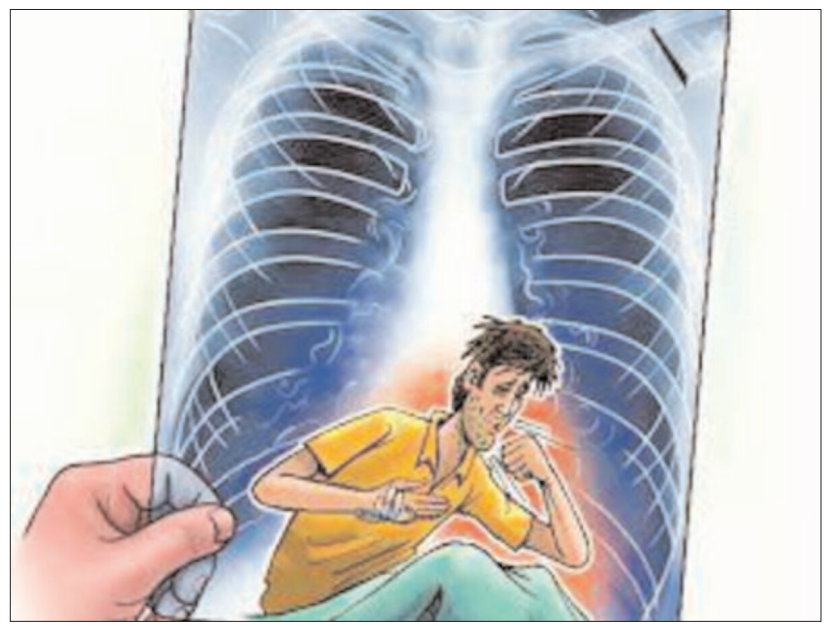

डीटीओ डॉक्टर हरजिंदर का कहना है लगभग 3200 के करीब डीएस टीबी (ड्रग-अतिसंवेदनशील टीबी) और लगभग 300 डीआर टीबी (दवा-प्रतिरोधी तपेदिक टीबी) के मरीज़ है। शुक्रवार को जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पहले दवा की कमी थी, वह चैन सप्लाई के कारण हुआ। लेकिन फिर भी 30 लाख के करीब की दवाइयाँ मंगाई गई। अब दवा मंगवा ली है, सभी टीवी यूनिट में जरूरत के अनुसार दवा भिजवा दी गई है। अब दवा के मामलों में मरीज को कोई परेशानी नहीं हो रही है। जिस यूनिट को जितनी मात्रा में दवा उपलब्ध कराई गई है। मरीजों को दवा दिए जाने का ब्यूरो भी यूनिट प्रभारी से लिया जाएगा। डॉक्टर ने बताया कोई भी प्राइवेट टीबी की दवा बेचता हुआ पकड़ा जाता है और वह संबधित विभाग को इनफार्मेशन नहीं देता है, तो उस पर जुर्माना लगेगा और 3 साल की सजा भी दी जाएगी। उन्होंने बताया की सरकार द्वारा एक निक्षय पोर्टल चलाया गया है। जिस पर मरीज अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है।

मतदाता सुबह शुरुआत में ही मतदान करने को दें प्राथमिकता, बढ़-चढ़कर करें वोट

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह के निर्देशन में शुक्रवार को विधानसभा वार अलग-अलग स्थानों से पोलिंग पार्टियों को उनके पोलिंग बूथों के लिए रवाना किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी रवानगी केंद्रों का दौरा करते हुए पोलिंग पार्टियों में शामिल कर्मचारियों से सीधी बातचीत की।

जिला फरीदाबाद में लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत छह मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां स्ट्रोंग रूम भी स्थापित किये गये हैं। इनमें सुषमा स्वराज महाविद्यालय बल्लभगढ़, गुर्जर भवन, पंजाबी भवन, एनआईटी लखानी धर्मशाला, दौलतराम धर्मशाला और सेक्टर-14 स्थित डीएवी स्कूल का सभागार शामिल हैं। इन स्थानों से आज पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया, जिसके पहले सभी स्थानों पर पोलिंग पार्टियों को विस्तार से ट्रेनिंग दी गई। सभी पार्टियों को पुनः ईवीएम संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। कर्मियों की शंकाओं का समाधान किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने सभी केंद्रों का दौरा करते हुए गंभीरता से सारी प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ड्यूटीरत कर्मचारियों से पोलिंग के संदर्भ में सवाल भी किए। साथ ही कर्मचारियों को प्रोत्साहित भी किया कि वे पूर्ण पारदर्शिता के साथ बेहतरीन रूप में शांतिपूर्वक मतदान करवायें। उन्होंने सभी केंद्रों में स्थापित स्ट्रोंग रूम का भी जायजा लिया। साथ में सहायक निर्वाचन अधिकारियों से बातचीत करते हुए जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव के तहत सभी पोलिंग बूथों की वेबकास्टिंग करवायेंगे, जिसका कंट्रोल रूम लघु सचिवालय में स्थापित किया गया है। वेबकास्टिंग की सहायता से सभी बूथों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। हर प्रकार की छोटी-बड़ी घटना कैमरे में कैद होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि 25 मई को मतदान सुबह 07:00 बजे शुरू होकर सायंकाल 06:00 बजे तक जारी रहेगा। उन्होंने गर्मी की अधिकता को देखते हुए मतदाताओं से अपील की कि वे सुबह जल्दी वोट डालने को प्राथमिकता दें। उन्होंने बताया कि गर्मी से बचाव के लिए बूथों पर भी विशेष प्रबंध किये गये हैं।

राम चमेली चड्ढा महाविद्यालय में एक दिवसीय पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यक्रम संपन्न

गाजियाबाद। राम चमेली चड्ढा महाविद्यालय में विज्ञान एवं शिक्षा विभाग की छात्राओं के लिए एक दिवसीय पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय ने कार्यक्रम का आयोजन प्रोक्टर एंड गैंबल के सहयोग से किया। प्रधानाचार्य डॉ नीतू चावला, रजिस्ट्रार श्रीमती शशि खन्ना, महाविद्यालय संयोजिका श्रीमती गीतांजलि खुराना, आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ संगीता सोलंकी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आरंभ किया।

कार्यशाला में श्रीमती श्रुति अरोड़ा एवं मिस्टर पवन ने छात्राओं को व्यक्तित्व निखारने के विभिन्न तरीके बताए। उन्होंने कहा की पर्सनालिटी या व्यक्तित्व एक ऐसी क्वालिटी है जो हर इंसान के व्यवहार और रवैये के बारे में सब कुछ बता देता है, अत: हमारा व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली होना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को सोचने-समझने ,शारीरिक हाव-भाव, उठने बैठने, खाने-पीने के सही तरीकों की जानकारी दी।

आईपीः एमबीए-लॉ की काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की तिथि बढ़ी

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) में एमबीए (कैट स्कोर से) और एलएलबी, एलएलएम (क्लैट स्कोर से) प्रोग्राम में दाखिले के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए राहत की खबर है। आईपीयू ने इन प्रोग्राम में काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की तिथि को बढ़ा दिया है। अब काउंसलिंग के लिए पंजीकरण 31 मई तक कराया जा सकता है। इससे पहले यह तिथि 20 मई तय की गई थी। यह काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन मोड में है। जिन आवेदकों ने इन प्रोग्राम के लिए आवेदन शुल्क के रूप में 1,500 रुपये का भुगतान कर रखा है वे अब 31 मई तक 1,000 रुपये काउंसलिंग भागीदारी शुल्क का भुगतान कर सकते हैं। ऐसे आवेदक जिन्होंने इन कोर्सेज की आवेदन प्रक्रिया के दौरान आवेदन शुल्क के रूप में 1500 रुपये शुल्क का भुगतान नहीं किया था उन्हें काउंसलिंग में हिस्सा लेने के लिए आवेदन शुल्क के साथ काउंसलिंग भागीदारी शुल्क का भुगतान भी करना होगा। इस तरह से उन्हें कुल 2500 रुपये शुल्क जमा कराना होगा। आवेदन शुल्क का भुगतान नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड से करना होगा।

जेईई के आधार पर चल रही बीटेक काउंसलिंग प्रक्रिया

बीटेक में जेईई के आधार पर काउंसलिंग की प्रक्रिया चल रही है। पांच जून तक इसके लिए एक साथ आवेदन शुल्क और काउंसलिंग भागीदारी शुल्क जमा कराया जा सकता है। वहीं अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा आधारित एवं मेरिट आधारित प्रोग्राम में दाखिले के लिए 25 मई तक आवेदन किया जा सकता है। विस्तृत जानकारी यूनिवर्सिटी की दोनों वेबसाइट https://ipu.admissions.nic.in और www.ipu.ac.in पर उपलब्ध है।

डीएम इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

गाजियाबाद। डीएम ने सख्त रूख अपनाते हुए कहा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए गए उपायों पर त्वरित कार्य करें अधिकारी...महात्मा गांधी सभागार में डीएम इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान डीएम द्वारा गत बैठक में लिए गए निर्णय के सापेक्ष कृत कार्यवाही के सम्बंधित प्रश्न किए गये। जिसमें डीएम ने जाना कि गत बैठक में लिए गए निर्णयों के कार्य पूर्ण नहीं हो पाए हैं। जिस पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए गत बैठक में जनपद में सड़क दुर्घटनाओं का तुलनात्मक विश्लेषण, जनपद की सड़क दुर्घटनाओं की अद्यावधिक तुलनात्मक समीक्षा, ब्लैक स्पॉट्स की समीक्षा, परिवर्तन कार्यवाही की समीक्षा, तीन या तीन से अधिक मृत्यु वाली सड़क दुर्घटनाओं की जांच सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने संभावित दुर्घटनास्थलों से 250 मीटर दूरी से पहले सांकेतिक बोर्ड व स्पीड लिमिट लिखने के निर्देश दिए। जेब्रा क्रासिंग, रैलिंग को लेकर सांकेतिक चिन्ह आदि को सही तरीके से दर्शाने के निर्देश दिए। डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने संभावित अधिक दुर्घटना वाले क्षेत्रों में रावली रोड मुरादनगर, गंगनहर कांवड़ पटरी मार्ग, मसूरी, वेव सिटी व मोहननगर मार्ग पर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में गत मीटिंग में दिए गए निर्णय व कार्यवाही करने को लेकर अधिकारियों से टाइम लाइन निश्चत कराई। इसके अलावा चिन्हित ब्लैक स्पॉट मणिपाल हास्पिटल, सुंदरदीप कॉलेज, कौशिक ढाबा रसूलपुर सिकरोड़ आदि पर रैलिंग व साइनेज आदि का कार्य पूर्ण कराने को एनएचएआई के अधिकारियों को 15 दिन का समय दिया गया। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर (राज्यमर्गा 117) पर लोक निर्माण विभाग आरआरटीएस के अधिकारियों को चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर तत्काल समय से कार्य पूर्ण कराने के डीएम ने निर्देश दिए। बैठक में मौजूद विभिन्न विभागों के अधिकारियों में से किसी ने सात दिन व किसी ने दस दिन का समय मांगा। डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि दस दिन के भीतर सभी कार्य पूण कर लिए जाने चाहिए।

गाजियाबाद में मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई जिसमें 50 हजार के इनामी वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। हत्या के मामले में यह बदमाश फरार चल रहा था। इससे पहले 22 मई की रात बदमाशों से हुई मुठभेड़ में पुलिस ने इसके 25 हज़ार के इनामी साथी को गिरफ्तार किया था। तब यह बचकर फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक, स्वाट टीम ग्रामीण जोन और थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने विक्रम मावी हत्याकांड के 50 हजार रुपए के इनामी अपराधी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से 1 तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस और चोरी की 1 मोटर साइकिल बरामद की है।

थाना लोनी बॉर्डर पुलिस को चेकिंग के दौरान सूचना मिली थी कि 11 मई को हुई विक्रम मावी हत्याकांड का आरोपी दिल्ली भागने की फिराक में है। सूचना पर थाना लोनी बॉर्डर पुलिस चौकी सेवाधाम से आगे टीला मोड़ की ओर सघन चैकिंग करने लगी। तभी एक मोटरसाइकिल पर आ रहे संदिग्ध को रोकने का प्रयास किया गया, जिसके बाद उसने पुलिस टीम को देखकर वापस मोटरसाइकिल मोड़ कर भागने की कोशिश की। इस दौरान उसकी बाइक फिसल कर गिर गई। फिर बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी करवाई में बदमाश घायल हो गया। बदमाश की पहचान टिंकू उर्फ हेमंत के रूप में हुई है। उसने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने तथा उसके साथियों ने ही पवन भाटी के साथ मिलकर विक्रम मावी की हत्या की थी। इसी हत्या के मामले में अभियुक्त टिंकू उर्फ हेमंत की गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया था। गौरतलब है कि 22 मई की रात इसी हत्याकांड से जुड़े एक बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था। तब ये आरोपी टिंकू वहां से फरार हो गया था। मामले की जानकारी देते हुए एसीपी अंकुर विहार ने बताया कि 24 मई को लोनी बॉर्डर पुलिस और स्वाट टीम दोनों ही चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार एक व्यक्ति को आते हुए देखा गया। संदिग्ध होने पर उसे रुकने का इशारा किया गया। लेकिन वह भागने लगा और उसकी बाइक स्लिप हो गई। इसके बाद हुई मुठभेड़ में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पूरब और पश्चिम में बदलता शक्ति संतुलन

टीएन नाइनन

पश्चिमी जगत और बाकी की दुनिया के बीच बढ़ते जा रहे मुकाबले में, अब यह स्पष्ट है कि भले पश्चिम के हाथ में अभी भी अधिक ताकत हो किंतु वह कमजोर पड़ता जा रहा है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, अमेरिका की नौसेना का रुख अब 'दबदबे' वाली भूमिका से बदलकर 'प्रतिरोधक' में तब्दील हो गया है। आर्थिक परिधि में भी, अमेरिका का रवैया आक्रामकता से (तकनीक पर प्रतिबंध, व्यापार पर रोक और आर्थिक नाकाबंदी) से बदलकर रक्षात्मक (अमेरिकी बाजार में आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त कर लगाना) हो गया है। और यूक्रेन को मिला पश्चिमी समर्थन रूस को नहीं रोक पाया। माओ ने शायद समय से पहले ही घोषणा कर दी थी = 'एक दिन पूरब की हवा पश्चिमी वायुमंडल पर छा जाएगी।' और अब यह होना शुरू हो गया है। सालों तक, पश्चिमी विश्लेषकों और पत्रकारों ने चीन और रूस को पढ़ने में चूक की है। रूस को तो वे आर्थिक रूप से बहुत कमजोर मानते रहे और व्लादिमीर पुतिन को राजनीतिक रूप से चुनौती देने लायक समझते रहे। दशकों पहले चीन के भरभराकर ढहने की भविष्यवाणी भी की गई थी और हाल में उसे समस्याओं से घिरा बताते रहे। फिर भी रूस ने पश्चिमी प्रतिबंधों का अप्रत्याशित रूप से डटकर सामना किया, यूक्रेन में उसका हाथ ऊपर है और पुतिन ने एक बार फिर चुनाव में कार्यकाल अर्जित किया। इसी दौरान, तुलनात्मक आय स्तर वाली अर्थव्यवस्थाओं में चीन सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकी बना रहा।

अमेरिका द्वारा चीन से आयातित कुछ वस्तुओं पर लगाए करों में तीखी वृद्धि पूर्ण-स्तरीय व्यापार युद्ध को चालू करने का बायस नहीं बन पाई क्योंकि इसके निशाने पर वह वस्तुएं हैं जिनकी बिक्री चीन अमेरिका में ज्यादा नहीं करता। इसलिए यह प्रतीकात्मक कदम मुख्यत: राष्ट्रपति बाइडेन के घरेलू राजनीतिक हितों को साधने की गरज है। भले ही चीन निशाने पर ली गई इन वस्तुओं में बहुतों का बड़ा उत्पादक है लेकिन वह अपने माल के लिए अन्य मंडियां तलाश लेगा। बल्कि यह अमेरिकी आयातक हैं जिनके पास कुछ वस्तुओं को मंगवाने के वैकल्पिक स्रोत नहीं हैं, फिर चीन तीसरे देश में लगाए अपने कारखानों की मार्फत इन वस्तुओं को अमेरिका पहुंचा सकता है। इसी बीच, अमेरिकी उपभोक्ता महंगा माल खरीदने के लिए विवश रहेंगे। इस प्रकार के रक्षात्मक खेल (जो कि भारी सब्सिडी देकर अमेरिकी उत्पादकता को फिर से जिंदा करने का दूसरा पहलू है) पहले अपनाए गए आक्रामक रुख के विपरीत है। उम्मीद यह थी कि उक्त आक्रामक कदम अमेरिका के दुश्मनों की घेराबंदी करेंगे। कोई शक नहीं कि प्रतिबंधों से चुभन होती है (जैसा कि हमेशा प्रतिबंधों के मामले में होता है) लेकिन इसका असर आंशिक रहा। रूस ने अपने तेल एवं गैस के लिए नए ग्राहक ढूंढ़ लिए जबकि पूरबी यूरोप को अपनी ऊर्जा जरूरतों के अहम स्रोतों के तौर पर सस्ती रूसी गैस से हाथ धोना पड़ा, जिससे जर्मनी जैसे मुल्क की भी आर्थिकी हिल गई। इसी बीच, रूसी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी होती गई। रूस और चीन, दोनों ने भुगतान का नया तरीका विकसित कर लिया और इससे डॉलर पर निर्भरता न रही (अब इनका 95 फीसदी व्यापार स्थानीय मुद्रा में हो रहा है), यहां तक कि एक अलग 'स्विफ्ट' नामक बैंकिंग संचार प्रणाली भी विकसित कर ली है। रूस के रिजर्व खजाने में आज डॉलर के मुकाबले चीनी मुद्रा रेनमीबिस का भंडार अधिक है। उधर चीन अपना धन सोने में बदल रहा है, जिसके लिए पिछले 18 महीनों में भारी स्वर्ण खरीदारी की है। भले ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाईना का वर्तमान 2,250 टन सोना कुल रिजर्व भंडार का 5 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन आज तक की तारीख तक यह मात्रा सबसे अधिक है। जहां तक तकनीक का मामला है, किसी अन्य देश के मुकाबले चीन इस क्षेत्र में अधिक तेजी से तरक्की कर रहा है। स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और लिथियम बैटरी से चालित वाहन या अन्य उपकरणों में प्रयुक्त इस विशेष जरूरत की आपूर्ति के मामले में चीन बाकी देशों से कहीं आगे है और कुछ मंडियों में अपनी धाक बना चुका है। अब वह इलेक्ट्रॉनिक्स, लाइफ साइंस और रक्षा उत्पादन क्षेत्र में नई खोज के बूते लंबी छलांग लगाने में सक्षम है। उदाहरणार्थ, हुआवे ने हाल ही में 7 नैनोमीटर वाली चिप से युक्त अपने नए स्मार्ट फोन से पश्चिमी जगत को चौंका डाला और अब 5 नैनोमीटर वाली चिप तैयार करने पर काम चल रहा है। उसने अगले साल तक चिप निर्माण में 75 फीसदी आत्मनिर्भरता पाने का लक्ष्य रखा है। इसी बीच, पश्चिमी देशों की दवा उत्पादक कंपनियों ने भी शंघाई के निकट सुज़्होऊ में बायो-बे जैसे विशालकाय नवोन्मेषण केंद्र में बायोफार्मा और लाइफ साइंस में हो रही तरक्की के बूते चीन की उभरती सरदारी को मान्यता दी है। रक्षा क्षेत्र में, चीन अपना चौथा विमानवाहक पोत बना रहा है जो शायद परमाणु ऊर्जा चालित होगा, यह एक अन्य तकनीक बाधा लांघने का प्रतीक है। सच्चाई यह है कि चीन के तकनीक विकास रथ को रोकने में बहुत देर हो चुकी है। रक्षा मोर्चे पर, पश्चिमी टिप्पणीकारों को इस संभावित उलटफेर की चिंता सता रही है कि कहीं रूस यूक्रेन में अपने मंसूबों में सफल हो गया तो आगे बाकी अर्ध-बर्बाद देश को न कब्जा ले। यदि डोनाल्ड ट्रंप की वापसी बतौर राष्ट्रपति हो गई और उन्होंने नाटो संगठन से किनारा करने की अपनी पूर्व धमकी पर अमल कर डाला, तो हालात और बदतर हो सकते हैं। मानव संसाधन, उपकरण, युद्धक सक्षमता और उत्पादक क्षमता में अत्यधिक तंगदस्ती के चलते समूचा यूरोप शीतयुद्ध काल के बाद से लेकर आज के वक्त तक, एकाएक खुद को अधिक जोखिम में महसूस करने लगा है। यूरोपियन देशों का रक्षा बजट पिछले कुछ सालों से सकल घरेलू उत्पाद के तयशुदा ऊपरी अधिकतम स्तर यानी 2 फीसदी को छू गया है। लेकिन अमेरिकी मदद के आश्वासन के बिना यूरोप को व्यवहार्य रक्षा निर्भरता बनाने में कम से कम एक दशक का वक्त लगेगा॰ इसमें अमेरिका प्रदत्त परमाणु सुरक्षा चक्र का जिक्र नहीं है। वहीं इसके मुकाबले, रूस और चीन परस्पर सहयोग बनाने में अग्रसर हुए हैं और विश्व में अन्य जगहों पर राजनयिक रूप से नंबर बनाने में सफल हुए हैं। सीरिया में रूस ने सफलतापूर्वक अपना पत्ता चला है और अब वह ईरान से ड्रोन प्राप्त कर रहा है। पिछले साल चीन ने मध्यस्थता करके ईरान और सऊदी अरब के बीच रिश्तों को सामान्य बनवाया। जहां अफ्रीका में चीन इस महाद्वीप के मुल्कों की धन संबंधी जरूरत पूरा करने में अमेरिका से ज्यादा पैसा दे रहा है वहीं एक के बाद एक देश फ्रांसिसी और अमेरिकी सैनिकों को बाहर का रास्ता दिखा रहे हैं और उनकी जगह रक्षा के लिए रूसी सैनिकों को आमंत्रित कर रहे हैं। यहां तक कि दक्षिण-पूर्वी एशिया में भी, वे मुल्क जिनकी अर्थव्यवस्था चीन से जुड़ी हुई है और इस रिश्ते में इजाफा हो रहा है, वे अमेरिका और चीन के बीच चुनाव करने में भेद नहीं करना चाहते। जैसा कि यूक्रेन को दिए जाने हथियारों के मामले में देखने को मिला, अमेरिका ने अपने रवैये से बार-बार दिखा दिया है कि वह एक गैर-भरोसे योग्य मददगार है। पश्चिमी टिप्पणीकार इस तर्क से दलील देते हैं कि चूंकि लंबे अर्से से चीन का एकमेव ध्येय अपने व्यापारिक उद्देश्यों की पूर्ति करना है और इसके लिए तगड़ी सरकारी सहायता देकर उद्योगों को बढ़ावा दे रहा है और अपनी मुद्रा की कीमत में इजाफा किए बगैर अन्य देशों के साथ बहुत बड़ा व्यापारिक आयात-निर्यात असंतुलन पैदा कर रहा है इसलिए देर से सही उसने पश्चिमी जगत को प्रतिरोधक उपाय करने को जगाया है। यह सही भी है। किंतु जो बात वे साथ नहीं जोड़ते वह यह कि चीन के पास अपनी अति प्रतिस्पर्धात्मक घरेलू मंडी है। उदाहरणार्थ, चीन के भीतर, इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली और कुछ नहीं तो 135 कंपनियां हैं। जाहिर है जो सबसे योग्य होगा वह बचेगा, इसलिए दुनियाभर में बीवाईडी अग्रणी इलेक्ट्रिक कार कंपनी बनने को अग्रसर है। तथापि यदि माल खपाने के लिए बड़ी मंडियों से महरूम कर दिया जाए तो चीनी उत्पादक कंपनियों की क्षमता के लिए यह बाधा एक बड़ी चुनौती हो जाएगी। किंतु भारत का अनुभव बताता है, उच्च आयात कर की दीवार खड़ी करके भी चीनी माल को आने से नहीं रोका जा सकता। आज की दुनिया में, चाहे विषय रक्षा का हो या तकनीक की तरक्की का या फिर उत्पादकता एवं व्यापार की ताकत का या राजनयिक चतुराईङ्क संक्षेप में कहें तो वैश्विक शक्ति संतुलनङ्क पूर्वी हवा की ताब पहले से कहीं अधिक है।

दरअसल, मोहम्मद मोखबर एक उच्च शिक्षित तथा क्रांति के विचार पोषक रहे हैं। उन्हें आर्थिक मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। ऐसे वक्त में जब परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने की वजह से ईरान पर सख्त प्रतिबंध लगे हैं तो मोहम्मद मोखबर ने ईरानी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिये भरसक प्रयास किये हैं। ईरान के खुजेस्तान प्रांत के देजफुल शहर में 1955 में जन्मे मोहम्मद मोखबर देजफुल को उपनाम उनके शहर के नाम पर ही मिला है। गंभीर धार्मिक रुझान वाले परिवार में उनके पिता इस्लामिक उपदेशक की भूमिका में भी रहे हैं। अपने शहर में आरंभिक शिक्षा हासिल करने के बाद वे उच्चशिक्षा के लिये अहवाज गए। बताते हैं कि उन्होंने इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के साथ ही प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री भी हासिल की। बाद में मैनेजमेंट व आर्थिक विकास में डॉक्टरेट भी की। ईरानी मीडिया के अनुसार मोहम्मद मोखबर ने बाद में अंतर्राष्ट्रीय कानून में पीएचडी भी हासिल की। कालांतर में वे इस्लामिक क्रांति से जुड़े वैचारिक संगठनों से जुड़े रहे। जिसमें तत्कालीन सरकार के विरुद्ध सक्रिय मंसूरुन ग्रुप के सक्रिय सदस्य थे। फिर खुजेस्तान में इस्लामिक रिपब्लिकन गार्ड्स कोर में खासे एक्टिव रहे। उनकी सक्रियता ईरान-इराक युद्ध के दौरान भी रही। युद्ध के बाद वे कई बड़ी दूरसंचार कंपनियों में शीर्ष पदों पर रहे। सीमित अंतराल के लिये खुजेस्तान के डिप्टी गवर्नर की भूमिका भी रही। आर्थिक व प्रबंधन में गहरी पकड़ के चलते मोहम्मद मोखबर को सिना बैंक व ईरान सेल कंसोर्टियम में निदेशक मंडल जैसे बड़े पद मिले। कालांतर में इस्लामिक गणराज्य की आर्थिकी रीढ़ कहे जाने वाली संस्था 'फरमान इमाम' के मुख्यालय के प्रमुख की नियुक्ति के रूप में बड़ी सफलता पायी। दरअसल, 'फरमान इमाम' की स्थापना इस्लामिक क्रांति के सूत्रधार आयतुल्लाह खुमैनी की रणनीति के तहत हुई थी। इस संस्था और मोहम्मद मोखबर के कद का पता इस बात से पता चलता है कि कुछ साल पहले अमेरिका ने इन पर प्रतिबंध लगाए थे। दरअसल, इस संस्था के कब्जे में इस्लामिक क्रांति के बाद जब्त अरबों की

संकट में ईरान के रहबर बने मोखबर

अरुण नैथानी

ईरान फिलहाल बड़े नेतृत्व व आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। यूं तो पहले से ही यह इस्लामिक देश अमेरिका और इस्राइल के निशाने पर रहा है। परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के लिये सख्त अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों से बचते-बचाते ईरान जैसे-तैसे अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश ही कर रहा था। मगर 20 मई के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी व विदेश मंत्री समेत कई महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौत, इस देश के लिये वज्रपात जैसी है। ऐसे में कार्यपालिका प्रमुख के रिक्त पद को भरना तात्कालिक चुनौती थी। ईरानी संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार विधिवत चुनाव होने तक उप-राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर देजफुली को ही राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दरअसल, ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद प्रधानमंत्री पद खत्म कर दिया गया था। फिर चुना गया राष्ट्रपति ही उपराष्ट्रपति का मनोनयन करता रहा है। इस पद पर बैठा व्यक्ति लगभग प्रधानमंत्री जैसे कार्यपालिका के दायित्वों को निभाता है। उपराष्ट्रपति को शासन प्रमुख के निधन के बाद राष्ट्रपति की तमाम शक्तियां व दायित्व केंद्रीय नेतृत्व की सहमति के बाद मिल जाते हैं। ईरानी संविधान के अनुसार पचास दिन के भीतर ही राष्ट्रपति का चुनाव संपन्न हो जाना चाहिए।

दरअसल, मोहम्मद मोखबर एक उच्च शिक्षित तथा क्रांति के विचार पोषक रहे हैं। उन्हें आर्थिक मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। ऐसे वक्त में जब परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने की वजह से ईरान पर सख्त प्रतिबंध लगे हैं तो मोहम्मद मोखबर ने ईरानी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिये भरसक प्रयास किये हैं। ईरान के खुजेस्तान प्रांत के देजफुल शहर में 1955 में जन्मे मोहम्मद मोखबर देजफुल को उपनाम उनके शहर के नाम पर ही मिला है। गंभीर धार्मिक रुझान वाले परिवार में उनके पिता इस्लामिक उपदेशक की भूमिका में भी रहे हैं। अपने शहर में आरंभिक शिक्षा हासिल करने के बाद वे उच्चशिक्षा के लिये अहवाज गए। बताते हैं कि उन्होंने इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के साथ ही प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री भी हासिल की। बाद में मैनेजमेंट व आर्थिक विकास में डॉक्टरेट भी की। ईरानी मीडिया के अनुसार मोहम्मद मोखबर ने बाद में अंतर्राष्ट्रीय कानून में पीएचडी भी हासिल की। कालांतर में वे इस्लामिक क्रांति से जुड़े वैचारिक संगठनों से जुड़े रहे। जिसमें तत्कालीन सरकार के विरुद्ध सक्रिय मंसूरुन ग्रुप के सक्रिय सदस्य थे। फिर खुजेस्तान में इस्लामिक रिपब्लिकन गार्ड्स कोर में खासे एक्टिव रहे। उनकी सक्रियता ईरान-इराक युद्ध के दौरान भी रही। युद्ध के बाद वे कई बड़ी दूरसंचार कंपनियों में शीर्ष पदों पर रहे। सीमित अंतराल के लिये खुजेस्तान के डिप्टी गवर्नर की भूमिका भी रही। आर्थिक व प्रबंधन में गहरी पकड़ के चलते मोहम्मद मोखबर को सिना बैंक व ईरान सेल कंसोर्टियम में निदेशक मंडल जैसे बड़े पद मिले। कालांतर में इस्लामिक गणराज्य की आर्थिकी रीढ़ कहे जाने वाली संस्था 'फरमान इमाम' के मुख्यालय के प्रमुख की नियुक्ति के रूप में बड़ी सफलता पायी। दरअसल, 'फरमान इमाम' की स्थापना इस्लामिक क्रांति के सूत्रधार आयतुल्लाह खुमैनी की रणनीति के तहत हुई थी। इस संस्था और मोहम्मद मोखबर के कद का पता इस बात से पता चलता है कि कुछ साल पहले अमेरिका ने इन पर प्रतिबंध लगाए थे। दरअसल, इस संस्था के कब्जे में इस्लामिक क्रांति के बाद जब्त अरबों की संपत्ति है। जो सीधे ईरान के सर्वोच्च धर्मगुरु अयातोल्लाह खामेनई के सुपरविजन में संचालित होती है। इस संस्था की अकूत संपदा की किसी ईरानी विभाग द्वारा निगरानी नहीं हो सकती है और संस्था का दखल कई महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्रों में है। उल्लेखनीय है कि मोखबर डेढ़ दशक तक फरमान इमाम कार्यकारी अधिकारी रहे। दरअसल, ईरान के सुप्रीम नेता से करीबी संबंध और आर्थिक मामलों में गहरी पकड़ के चलते मोखबर ईरान के उपराष्ट्रपति बने थे। उन्होंने तमाम कट्टरपंथी नेताओं को मात देकर इस पद को हासिल किया था। वे जहां एक ओर सर्वोच्च धर्मगुरु अयातोल्लाह खामेनई के विश्वासपात्र रहे वहीं दिवगंत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के भी भरोसेमंद रहे हैं। दरअसल, ईरानी संविधान के अनुसार राष्ट्रपति ही उपराष्ट्रपति की नियुक्ति करता है, यह पद जनता द्वारा चयनित नहीं होता। यद्यपि वे पर्दे के पीछे से निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं, लेकिन उनकी आर्थिक नीतियों की सफलता को लेकर कई तरह के किंतु-परंतु होते रहे हैं। सवाल फरमान इमाम की आर्थिक नीतियों व काम करने के तौर-तरीकों तथा दर्जनों कंपनियों की मिल्कियत को लेकर भी उठते रहे हैं। संस्था सेवा कार्यों के लिये बरकत फाउंडेशन तथा नॉलेज फाउंडेशन भी चलाती है। दरअसल, मोखबर तब भी सुर्खियों में आए थे जब कोरोना महामारी के दौर में बरकत फाउंडेशन के तत्वावधान में ईरानी वैक्सीन प्रोजेक्ट को सिरे चढ़ाने के प्रयास हुए थे। इन प्रभावशाली व बड़ी संस्थाओं में निर्णायक भूमिका के साथ ही वैक्सीन ने उन्हें देश में नायकत्व प्रदान किया। ईरानी सर्वोच्च धार्मिक नेता की सहमति से चली योजना को लेकर कई किंतु-परंतु भी सामने आए। मोखबर ने अपनी बेटी को पहली वैक्सीन लगाकर देश के लोगों का भरोसा हासिल करने का प्रयास किया। दरअसल, मोहम्मद मोखबर ने अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों से उपजे संकट से देश को बाहर निकालने का सतत प्रयास किया। कालांतर में उनके योगदान व अनुभव के चलते ही उन्हें रेजिस्टेंट इकॉनमी का सर्वेसर्वा बनाया गया। वहीं ईरानी सत्ता के सूत्रधारों के साथ बेहतर रिश्तों के चलते वे पर्दे के पीछे के खेल के मंजे खिलाड़ी भी माने जाते हैं। बहरहाल, हेलीकॉप्टर हादसे के बाद उन्हें ईरान में एक बड़ी जिम्मदेारी निभाने का मौका मिला है।

विचार

एक चाल का तानाशाह

राजेंद्र शर्मा

गतांक से आगे...

पहली बात तो यह कि मोदी कोई पहले प्रधानमंत्री तो हैं नहीं, जो संसद में हों और जिनकी संसद के प्रति जवाबदेही बनती हो। हरेक प्रधानमंत्री को, संसद के किसी न किसी सदन का सदस्य होना ही होता है। फिर भी, मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने दस साल में एक भी खुली प्रेस कान्फ्रेंस का सामना नहीं किया है। दूसरी बात यह है कि संसद में सवालों के जवाब देने का प्रधानमंत्री मोदी का रिकार्ड, पत्रकारों के सवालों का सामना करने के उनके रिकार्ड जितना ही खराब है। सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दस साल में नरेंद्र मोदी ने संसद में भी एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया है। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी ने संसद में, खास-खास सत्रों में, खास-खास बहसों के जवाब के नाम पर, अपने मन की बात भर की है, वर्ना उनका रिकार्ड संसद से ज्यादातर समय गायब रहने का और उसकी चर्चाओं में हिस्सा लेने से बचने का ही रहा है। स्वतंत्र प्रेस के जरिए और जाहिर है कि संसद के जरिए भी, जनता के सामने जवाबदेही से ही प्रधानमंत्री मोदी के इस तरह भागने की असली वजह, उनका तानाशाहाना मिजाज है। नरेंद्र मोदी खुद को भारत का बादशाह या शहंशाह या चक्रवर्ती सम्राट जैसा कुछ समझते हैं, जिसकी इच्छा ही सर्वोपरि है और जिसका निर्णय ही कानून है। वास्तव में निर्वाचित सत्ताधीश के सर्वोपरि होने की दलील, मोदी राज में सत्ता के प्रधान नैरेटिव के रूप में बार-बार हमें सुनने को मिलती है। यही दलील जरा तिर्यक रूप से खुद प्रधानमंत्री मोदी के दावों में भी हमें सुनने को मिलती है, जब वह 140 करोड़ भारतीयों की ओर से बोलने का दावा ही नहीं करते हैं, यह दावा भी करते हैं कि 140 करोड़ भारतीयों के प्रतिनिधि की उनकी हैसियत, उनकी तमाम आलोचनाओं को, उन के खिलाफ तमाम आरोपों को, खारिज कर देती है। नरेंद्र मोदी के शब्दों में, 140 करोड़ भारतीय उनकी ढाल बन जाते हैं। इसी तानाशाहाना मिजाज का नतीजा है कि मोदी राज के दस साल में खुद संसद समेत, जनतंत्र की सभी संस्थाओं को कमजोर किया गया है, उनकी स्वतंत्रता को खत्म किया गया है। खुद कार्यपालिका तक में सारी की सारी शक्ति को प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में केंद्रित किया गया है। संसद की कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने की भूमिका को लगभग खत्म ही कर दिया गया है। न्यायपालिका को पालतू बनाने की कोशिशों के अलावा, उस पर प्रत्यक्ष नियंत्रण कायम करने के लिए, मोदी राज ने बराबर एक जंग सी ही छेड़े रखी है। मुख्यधारा के मीडिया पर सत्ताधारियों द्वारा करीब-करीब पूरा कब्जा ही किया जा चुका है। ऐसा ही हाल उच्च शिक्षा संस्थानों का है और जेएनयू आदि की तरह जिन इक्का-दुक्का संस्थाओं ने अपवादस्वरूप अपनी स्वायत्तता की रक्षा करने के लिए संघर्ष जारी रखा है, उन्हें शासन द्वारा एक प्रकार से शत्रु-संस्थाएं ही घोषित कर दिया गया है, जिन्हें जीतने की उसकी जंग लगातार जारी रही है। सीबीआई, ईडी, एनआईए आदि व पुलिस बलों, सभी संस्थाओं को सत्ताधारियों के ही नहीं, उनमें भी सबसे बढ़कर बादशाह सलामत और उनके दरबार के औजारों में बदल दिया गया है। कहने की जरूरत नहीं है कि ये बदलाव, वर्तमान सत्ता के तकाजों के अनुरूप हैं जरूर, लेकिन तात्कालिक तकाजों तक ही सीमित नहीं हैं। वे पूरी राज्य व्यवस्था को ही तानाशाही में तब्दील कर रहे हैं। और तो और बहुसंख्यक धार्मिक प्रतिष्ठान को भी महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया गया है। एक ओर राम मंदिर और दूसरी ओर सेंगोल जैसे टोटकों के सहारे, न सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी को धार्मिक अनुमोदन-प्राप्त महाराजा के रूप में स्थापित किया गया है, जिसके आगे धार्मिक सत्ता भी व्यवहारत॰ नतमस्तक है। और दूसरी ओर, इससे भी महत्वपूर्ण रूप से बहुसंक्रयक धार्मिकता को, अल्पसंक्रयक विरोधी सांप्रदायिकता से खुद को परिभाषित करने के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ा दिया गया है। इसी का नतीजा हम चुनाव की हाथ से निकलती नजर आती बाजी को बचाने के लिए, अंतिम और इकलौते उपाय के रूप में, मोदी की भाजपा द्वारा चुनाव प्रचार में लौट-लौटकर, मुस्लिमविरोधी सांप्रदायिकता का सहारा लिए जाने के रूप में देख रहे हैं। यह बेढब होते हुए भी कम से कम हैरान नहीं करता है कि चौथे चरण के मतदान के दिन, गंगा के तट पर एक और छद्म साक्षात्कार में मोदी जी ने अचानक यह ऐलान कर दिया कि वह हिंदू-मुस्लिम नहीं करते हैं, वह हिंदू-मुस्लिम करें तब तो वह सार्वजनिक राजनीति के लायक ही नहीं रहेंगे और यह भी कि उनका संकल्प है कि वह हिंदू-मुस्लिम नहीं करेंगे। और चौबीस घंटे भी पूरे होने से पहले-पहले, अगले दिन महाराष्ट्र में वह हिंदू-मुस्लिम करने से भी आगे, इसका ऐलान करने तक चले गए कि उनके विरोधी जीत गए, तो राम मंदिर पर बाबरी ताला लगवा देंगे। बाद में उत्तर प्रदेश में उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों से राम मंदिर पर बुलडोजर ही चलवा दिया! बेशक, यह हार की बदहवासी का संकेत है, लेकिन यह इसका भी संकेत है कि तानाशाह के पास यही एक चाल बची है, जिसे वह रह-रहकर आजमा रहा है।

एक नजर

इस बार देश में बदलाव की हवा चल रही हैः शशि थरूर

पटना,एजेंसी। कांग्रेस के निवर्तमान सांसद एवं वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने दावा किया है कि इस बार देश में बदलाव की हवा चल रही है। चार जून को जब लोकसभा चुनाव का परिणाम घोषित होगा तब पता चल जाएगा। पटना के सदाकत आश्रम में शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए ये दावा किया। शशि थरूर ने कहा कि पांचवे चरण के चुनाव के बाद भाजपा बहुमत के निशान से काफी नीचे चली जाएगी। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के मतदान के बाद देशभर में विपक्षी आईएनडीआई गठबंधन के लिए रुझान बेहद उत्साहजनक हैं। कांग्रेस सांसद थरूर ने दावा किया कि चार जून को मतगणना के दिन केंद्र में सरकार बदल जाएगी। चार जून को दिल्ली में सत्ता परिवर्तन का विश्वास जताते हुए कहा कि इस समय सरकार में भाजपा के पास लोकसभा में 303 का बहुमत है लेकिन अब यह साफ हो चुका है कि वे सत्ता से जा रहे हैं। बहुमत के आंकड़े से भाजपा काफी नीचे है। उनका मौजूदा गठबंधन एनडीए भी उन्हें बहुमत तक पहुंचने में मदद करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। थरूर ने कहा कि आईएनडीआई गठबंधन के लिए रुझान किसी एक एरिया में नहीं है बल्किभारत के हर जगह में है। हम अपने उम्मीदवारों के प्रति उल्लेखनीय उत्साह और भाजपा के प्रति उत्साह की उल्लेखनीय कमी देख रहे हैं। कई मामलों में भाजपा के गढ़ों में, मतदान में गिरावट आई है।

वाल्मीकि नगर में आपातकालीन स्थिति के लिए एयर एम्बुलेंस का सेवा उपलब्ध

पश्चिम चंपारण(बगहा)। विशेष सचिव सह अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बिहार पटना के ज्ञापांक 2606 के द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के छठे चरण के मतदान में आपातकालीन स्थिति उत्पन्न होने पर उससे निपटने हेतु 24 मई से 26 मई तक वाल्मीकि नगर स्थित हवाई अड्डा में एयर एंबुलेंस का ठहराव सुनिश्चित किया गया है। मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी पश्चिम चंपारण के कार्यालय के ज्ञापांक 1068 के द्वारा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हर्नाटांड़ को एयर एंबुलेंस के ठहराव स्थल पर मेडिकल टीम उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। ठहराव स्थल पर सभी आवश्यक दवाएं, उपकरण और पारा मेडिकल टीम और चिकित्सक की टीम को उपलब्ध कराने का निर्देश जारी किया गया है। इस सन्दर्भ में पूछे जाने पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी हरनाटांड़ के राजेश सिंह नीरज ने बताया कि इलेक्शन कमिशन आफ इंडिया के दिशा- निर्देश पर वाल्मीकि नगर लोकसभा के वाल्मीकि नगर में एयर एंबुलेंस उपलब्ध कराया गया है। ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में पीड़ित को त्वरित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जा सके।

डीएम ने राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य की समीक्षा बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

सहरसा। जिलाधिकारी वैभव चौधरी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 327 ई एवं 107 के निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा की गई। एनएच 107 के निर्माण कार्य की अद्यतन प्रगति के संबंध में बताया गया कि मौजा पहाड़पुर में अतिक्रमण को दूर कर कार्य प्रारंभ कर डीबीएम कार्य पूर्ण कर दिया गया है। बैंजनाथपुर चौक के समीप कुछ स्थाई संरचना जिसके कारण कार्य में बाधा उत्पन्न हो रहा है,को कार्यहित में हटाया जाना अति आवश्यक है। डीएम ने निर्देश दिया कि अंचलाधिकारी सौर बाजार एवं संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए यथाशीध्र अतिक्रमण हटाते हुए यथोचित कारवाई की जाय। फ्लाईएश आपूर्ति के संबंध में जानकारी दी गई कि एनटीपीसी द्वारा ट्रांन्सपोर्टर को आपूर्ति हेतू ऑर्डर कर दिया गया है। जून के प्रथम सप्ताह से फ्लाई एश की आपूर्ति संभावित है। मेजर ब्रिज एवं मनौरी भीयूपी पहुंचपथ के निर्माण के संबंध में बताया गया कि उक्त वर्णित दोनो का निमार्ण कार्य पूर्ण हो चुका है। बॉक्स कलभर्ट निर्माण की वर्तमान प्रगति के संबंध में बताया गया कि 71 में 61 का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष 10 में से 02 मे निर्माण कार्य प्रगति पर है।

सात दिनों के बाद एमपी ने लिया पीड़ित परिजनों का हाल, दोषी पर कार्रवाई की कही बात

अररिया। अररिया के निवर्तमान एमपी प्रदीप कुमार सिंह शुक्रवार को ताराबाड़ी पहुंचे। ताराबाड़ी के पटेगना स्थित मायके में एमपी प्रदीप कुमार सिंह ने मृतक मिट्ठू की पत्नी मुस्कान सहित उनके परिजनों से मुलाकात की और घटना को लेकर जानकारी ली। एमपी ने पीड़ित परिजनों को आश्वस्त किया कि मामले की न्यायिक जांच की जायेगी और जो भी दोषी हैं उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ताराबाड़ी थाना में पिछले सप्ताह जीजा साली के खुदकुशी के बाद जमकर उपद्रव हुआ था। आक्रोशित लोगों ने थाना में पथराव,आगजनी,तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया था। जिसमे सदर एसडीपीओ सहित कई पुलिसकर्मी के साथ स्थानीय ग्रामीण भी घायल हुए थे। मामले में डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों की गिरफ्तारी भी हुई। जिसके बाद से पूरे इलाके में भय का माहौल पैदा हो गया था। घटना के बाद से ही एमपी प्रदीप कुमार सिंह अलग अलग स्थानों पर हो रहे चुनाव को लेकर कैंपेन में थे। जहां से आज शुक्रवार को अररिया लौटते ही सबसे पहले ताराबाड़ी पहुंचे और पीड़ित परिजनों और ग्रामीणों से मुलाकात की।

हृदय रोग से पीड़ित दिलनवाज एवं रियाज को सफल इलाज के लिए भेजा गया अहमदाबाद

किशनगंज,एजेंसी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) बच्चों को सुविधाजनक तरीके से समुचित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एक नई पहल है। इसी क्रम में जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित जिले के कोचाधामन प्रखंड के 13 वर्षीय दिलनवाज आलम एवं 11 वर्षीय रियाज आलम को सफल इलाज के लिए गुरुवार को सदर अस्पताल से एम्बुलेंस के द्वारा पटना तथा शुक्रवार को पटना से हवाई जहाज से अहमदाबाद भेजा गया है।

शुक्रवार को सिविल सर्जन डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि जिले में हृदय में छेद के साथ जन्में कई बच्चों की मुफ्त सफल सर्जरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि आरबीएसके में शामिल मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत जिले में हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का समुचित इलाज हो रहा व पीड़ित बच्चे स्वस्थ्य भी हो रहें हैं। जो आरबीएसके टीम की सकारात्मक पहल का परिणाम है। इसके लिए जिले में पीएचसी से लेकर जिला स्तर के अस्पतालों में तैनात आरबीएसके टीम क्षेत्र भ्रमण कर ऐसे बच्चों को ना सिर्फ चिह्नित कर रही बल्कि, उसका नि:शुल्क समुचित इलाज भी सुनिश्चित करवा रही है। ताकि पीड़ित बच्चे को सुविधाजनक तरीके से सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ मिल सके।

आरबीएसके डीआईसी प्रबंधक सह जिला समन्वयक पंकज कुमार शर्मा ने बताया कि दोनों बच्चों का इलाज सात निश्चय कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के अंतर्गत बिल्कुल मुफ्त होगा। इसमें मरीज बच्चा और उसके एक अभिभावक को सरकार अपने खर्चे पर अहमदाबाद ले जाकर उचित इलाज करवाती है। उनके मुताबिक दोनों बच्चों को जन्म से ही दिल में छेद था, जिससे उनका सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा था। उसके पिता ने बताया कि बच्चों को बार बार बुखार तथा जल्द ही थकान होने लगती थी। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद इलाज के लिए जा रहे बच्चों की स्क्रीनिंग आईजीआईसी में हुई थी। जहां उनके दिल में छेद होने की पुष्टि हुई। इलाज के बाद इनका फॉलोअप भी किया जाएगा सिविल सर्जन डा. राजेश कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 18 वर्ष तक के बच्चों को किसी प्रकार की गंभीर समस्या होने पर आईजीआईएमएस, एम्स पटना व पीएमसीएच भेजा जाता है। उन्होंने बताया, जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में हमारी टीम तैनात है। जिसमें दो चिकित्सक, एक एएनएम और फार्मासिस्ट शामिल हैं।

मतगणना को लेकर मतगणना केंद्र की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने दिए आवश्यक निर्देश

पूर्णिया,एजेंसी। जैसे-जैसे मतगणना की तिथि 4 जून का समय नजदीक आता जा रहा है वैसे-वैसे प्रशासनिक स्तर पर तैयारी की गति भी तेज होती जा रही है। मतगणना स्थल पर हर तरह की सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, स्वास्थ्य प्रशिक्षण पार्किंग इत्यादि की तैयारियों पर जिलाधिकारी कुंदन कुमार खुद नजर रख रहे है।

मतगणना की तैयारियों को लेकर जिला पदाधिकारी कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कार्यालय वेश्म में हुई लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के मतगणना की तैयारियों से संबंधित समीक्षा बैठक में कई आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने उपस्थित पदाधिकारियों से मतगणना की तैयारियों के संबंध में जानकारी मांगी। नोडल पदाधिकारी, कार्मिक कोषांग सह वरीय उप समाहर्ता पूर्णिया के द्वारा बताया गया कि मतगणना हेतु कर्मियों को प्रशिक्षण हेतु प्रथम नियुक्ति पत्र निर्गत कर दिया गया है तथा मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। जिला पदाधिकारी द्वारा मतगणना कर्मियों को सही प्रशिक्षण के साथ उसके द्वारा प्राप्त किए गए प्रशिक्षण की जांच करने का निर्देश दिया गया।उप निर्वाचन पदाधिकारी पूर्णिया से मतगणना संबंधी सभी प्रपत्रों को ससमय तैयार रखने का निदेश दिया गया।

आईटी मैनेजर पूर्णिया को मतगणना के समय सभी प्रतिवेदन के ऑनलाइन अपलोड करने हेतु कर्मियों की प्रतिनियुक्ति तथा आवश्यक तैयारियों को समय पूर्व पूर्ण करने का आदेश दिया गया। नगर आयुक्त पूर्णिया को मतगणना केंद्र पर साफ सफाई तथा पेयजल की उपलब्धता, गर्मी के आलोक में मतगणना केंद्र पर आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता, मतगणना केंद्र पर बैरिकेटिंग करने तथा प्रयाप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करने का भी आवश्यक निर्देश दिया गया। इस बैठक में जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार द्वारा सभी उपस्थित पदाधिकारियों को कहा गया कि निर्वाचन के आखरी चरण में सभी को एक साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना है जिससे निर्वाचन सफलता पूर्वक संपन्न कराया जा सके।

अपहरण, लूट, पलायन, नरसंहार का राज्य अब फिर से बिहार को नहीं बनने दिया जाएगाः नीतीश कुमार

पटना/रोहतास,एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को काराकाट से राजग उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अपहरण, लूट, पलायन, नरसंहार का राज्य अब फिर से बिहार को नहीं बनने दिया जाएगा। भाजपा के साथ मिलकर बिहार को बड़ी मुश्किल से पटरी पर लाये हैं। अब लोग बिना किसी भय के रात में भी घूमने निकलते हैं। हमने यहां कानून का राज स्थापित किया है। अब बिहार में कोई गलत काम करने वाला सिर उठा के नहीं चल सकता। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि मैंने दो बार उन्हें (लालू परिवार) को मौका दिया लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। वे लोग हमेशा से बिहार को लूटने की मंशा पाले हुए हैं जिसके चलते हमने अपना रास्ता अलग कर लिया।

पुलिस विभाग में 30 हजार महिला नौकरी कर रही हैं। शिक्षक नियोजन में 50 प्रतिशत तथा ग्राम पंचायत नगर निकाय में 50 प्रतिशत आरक्षण देकर हमने महिला समाज का आर्थिक उत्थान करने का काम किया है। हमने प्रदेश में आठ लाख लोगों को नौकरी दी। प्रदेश में सड़क, बिजली, सरकारी अस्पताल में दवा की व्यवस्था की है। आज लोगों को 24 घंटे बिजली मिल रही है। नीतीश कुमार ने लालू-राबड़ी के कार्यकाल को याद दिलाते हुए कहा कि उनके (तेजस्वी यादव) के पिता के शासन काल में यहां क्या था ? लोग उसे भूले नहीं हैं। अब जनता बहकावे में नहीं आने वाली। उन्होंने एनडीए उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा के गले में माला डालते हुए लोगों से हाथ उठाकर जीत दिलाने का भरोसा मांगा। नीतीश कुमार की सभा में मोदी नाम का भरोसा दिखा। खुद मुख्यमंत्री बोले पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का आप समर्थन करें। जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी बोल पड़े, आप पीएम मोदी के लिए वोट करें। उनके नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खां सहित मंच पर जितने भी नेता थे सभी ने मोदी का नाम लिया और उनके नेतृत्व में समर्थन की अपील की।

किशनगंज पुलिस पर पश्चिम बंगाल में हमला, थानेदार ने की पांच राउंड फायरिंग, 2 सिपाही घायल

किशनगंज। बिहार और पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे किशनगंज शहर से सटे पश्चिम बंगाल के विलायतीबारी में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करने पहुंची बिहार पुलिस की टीम को उग्र भीड़ ने घेर लिया और उनपर हमला कर दिया। जान बचाने के लिए किशनगंज सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने बीच बचाव में पांच राउंड फायरिंग की। गोली लगने से दो लोग घायल हो गए। फायरिंग की आवाज सुनकर ग्रामीण और भी उग्र हो गए। भीड़ ने सदर थानाध्यक्ष समेत अन्य पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया। सदर थाना पुलिस ट्रैक्टर और मकई की लूट कांड मामले में यहां एक युवक को गिरफ्तार करने पहुंची थी। इस दौरान सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार और अन्य पुलिस कर्मियों को ग्रामीणों ने घेर लिया। ग्रामीणों ने यहां पुलिस पर हमला करना शुरू कर दिया। इसके बाद जान बचाने के लिए सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार को पांच राउंड फायरिंग करनी पड़ी।

फायरिंग की आवाज सुनकर आक्रोशित भीड़ ने थानाध्यक्ष और अन्य पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया। इस हमले में दो सिपाही सहित कई ग्रामीण घायल हो गए। हमले में दो ग्रामीणों को गोली लगने की बात सामने आ रही है। हालांकि, सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने एक आरोपी अब्दुल तउब के बेटे नूर आलम को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, दोनों घायल युवक को चकलिया अस्पताल ले जाया गया है। यहां उनका इलाज चल रहा है। दोनों सुरक्षित बताए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बिहार पुलिस ने कार्रवाई के दौरान मदद नहीं ली। मामले में दालकोला एसडीपीओ रतिन नाथ विश्वास ने बताया कि हम लोग को सूचना मिली थी कि चार-पांच बिहार के पुलिसकर्मी बंगाल के एक लड़के को पकड़ने आए हैं। लेकिन, बिहार पुलिस ने कार्रवाई के दौरान बंगाल पुलिस की मदद नहीं ली। उन्होंने कहा कि यह गलत हुआ है। बंगाल पुलिस की ओर से कहा गया है कि उन्हें बिहार पुलिस की ओर से कोई सूचना नहीं दी गई और फायरिंग की गई है। स्थानीय विधायक मिनाज आलम ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस ने बिना बंगाल पुलिस को जानकारी दिए यहां रेड की। एक स्थानीय नूर आलम को पकड़कर ले गए। उसका क्या कसूर है, पता नहीं है। उन्होंने फायरिंग भी की, जिसमें 2-3 लोग घायल हुए हैं। उनका इलाज चल रहा है। यहां की पुलिस ने 3 खोखा बरामद किया है। मिनाज आलम ने आगे कहा कि हमलोग बिहार-बंगाल के बोर्डर पर रहते हैं। हमें शांतिपूर्वक रहना होगा। लेकिन, बिहार की पुलिस का यह काम तानाशाही वाला है। हम इसके खिलाफ डीएम-एसपी से शिकायत करेंगे। आगे सरकार से भी बात करेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध को अंजाम देने वाले तीन अपराधी गिरफ्तार

अररिया। भारत और नेपाल के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध को अंजाम देने वाले तीन साइबर अपराधियों को अररिया जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी भारत नेपाल सीमा क्षेत्र के जोगबनी थाना क्षेत्र के टिकुलिया बस्ती वार्ड संख्या चार से की गई। गिरफ्तार किए गए तीन साइबर अपराधियों में एक भारतीय, जबकि दो नेपाली नागरिक शामिल हैं।

पुलिस ने उनके पास से भारतीय करेंसी 50 हजार 300,नेपाली करेंसी 8 हजार 500, दो आईफोन जो मोबाइल फोन दो लैपटॉप 59 एक्टिवेटेड सिम कार्ड और 55 अनएक्टिवेटेड सिम कार्ड बरामद किया। पुलिस के गिरफ्त में आए साइबर अपराधी साइबर क्राइम के विभिन्न आयाम के साथ-साथ सट्टा बाजार,ऑनलाइन फ्रॉडिजम आदि अपराधों को अंजाम देते थे। एसपी अमित रंजन ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि पकड़ा गया तीनों साइबर अपराधी इंटरनेशनल लेवल पर साइबर क्राइम करते थे। मुख्य रूप से यह लोग सट्टा बाजार के लालच में फंसाने का काम करते थे। एसपी ने बताया कि रेटिना का फोटो खींच हेराफेरी और आधार कार्ड में हेरफेर करके एक ही व्यक्ति के नाम पर अनेक मोबाइल सिम कार्ड को एक्टिवेट कर नेपाल में साइबर फ्रॉडिज्म में इस्तेमाल किया जाता था।

इन साइबर अपराधियों का लक्ष्य प्रति माह 2 हजार सिम कार्ड का रहता है।छापेमारी में 114 सिमकार्ड बरामद किए गए। एसपी ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र से लगातार साइबर अपराध को अंजाम देने की जानकारी मिल रही थी, जिसको लेकर फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा के नेतृत्व में जोगबनी थानाध्यक्ष राजीव कुमार आजाद, एसआई अंजू कुमारी, डीआईयू टीम एवं सशस्त्र पुलिस बल टीम के साथ टीम का गठन किया गया था। टीम ने जोगबनी टिकुलिया बस्ती इंदिरानगर वार्ड संख्या 4 में 28 वर्षीय मो. शमी अंसारी उर्फ विक्की पिता- समा अंसारी के घर छापेमारी कर उन्हे गिरफ्तार किया है।

बकरी पालन गरीब एवं सीमांत किसानों के लिए एक उचित लाभ का व्यवसायः डॉ एस कुंडू

समस्तीपुर। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के द्वारा आज चार दिवसीय व्यावसायिक बकरी पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले से युवा शामिल हुए है। इस मौके पर डॉ एस कुंडू ने कहा कि बकरी पालन गरीब एवं सीमांत किसानों के लिए एक उचित लाभ का व्यवसाय है।

कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक प्रसार शिक्षा डॉक्टर एम एस कुंडू सर के द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर मनीष कुमार पशु चिकित्सा पदाधिकारी ताजपुर डॉक्टर आरपी सिंह वरीय वैज्ञानिक सह प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र नरकटियागंज डॉक्टर आरके तिवारी कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली सुश्री अभिलिप्सा बिस्वाल विषय वस्तु विशेषज्ञ कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली उपस्थित थे। अपने संबोधन में निदेशक प्रसार शिक्षा ने बकरी पालन किस प्रकार किया जाए। जिससे उनको अधिकतम लाभ प्राप्त हो। इसके बारे में विस्तृत जानकारी सभी प्रशिक्षक साथियों को उपलब्ध कराया। साथ ही साथ उसका खानपान एवं विभिन्न प्रकार के नस्ल प्रबंधन पर मुख्य रूप से चर्चा की। पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर मनीष कुमार ने बिहार सरकार एवं भारत सरकार के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ आर पी सिंह द्वारा बेतिया जिले में किस प्रकार बकरी पालन का कार्य किया जाता है। इसकी प्रयोग जानकारी सभी लोगों को उपलब्ध कराई। डॉ आरके तिवारी प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के द्वारा यह बताया गया की बकरी पालन गरीब किसानों के लिए एक वरदान है। उनके द्वारा बकरी पालन कर अपनी आजीविका में सुधार लाया जा सकता है। इसको अगर वैज्ञानिक तरीके से किया जाए तो इससे हम अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

एक नजर

भारतीय-अमेरिकी सांसद 'थानेदार' के प्रतिद्वंद्वी प्राइमरी के लिए अयोग्य घोषित

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद श्री थानेदार के प्रतिनिधि सभा के चुनाव अभियान में बड़ी बढ़त मिली है क्योंकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी एडम हॉलियर को मतदाताओं के वैध हस्ताक्षरों की जरूरी संख्या नहीं होने के चलते प्राइमरी की दौड़ के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है। वेन काउंटी क्लर्क कैथी गैरेट ने इस सप्ताह थानेदार को लिखे एक पत्र में कहा, ''मैं कर्मचारियों की सिफारिश को मानते हुए इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि नामांकन अर्जियों की कम संख्या होने की वजह से एडम हॉलियर का नाम अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में 13वें जिले के लिए 6 अगस्त 2024 को होने वाले प्राइमरी के मतपत्र में शामिल नहीं किया जा सकता। गैरेट के स्टाफ ने एक रिपोर्ट में कहा कि हॉलियर ने 1,553 मतदाताओं के हस्ताक्षर प्रस्तुत किए थे। रिपोर्ट के अनुसार इनमें से केवल 863 ही वैध पाए गए जबकि मतदाताओं के 1,000 वैध हस्ताक्षर होने चाहिए थे। थानेदार ने 575 हस्ताक्षरों को चुनौती दी थी। स्टाफ की रिपोर्ट में कहा गया था कि इनमें से कई हस्ताक्षरों की लिखावट एक जैसी थी, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि ये असली नहीं हैं। थानेदार 2022 में पहली बार अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए निर्वाचित हुए थे। वह प्रतिनिधि सभा के सदस्य के तौर पर एक और कार्यकाल चाहते हैं। उन्होंने हॉलियर की नामांकन प्रक्रिया को चुनौती दी थी, क्योंकि उन्होंने मतदाताओं के पर्याप्त संख्या में वैध हस्ताक्षर जमा नहीं कराए थे। श्री थानेदार डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य हैं।

रईसी के हेलीकॉप्टर में दुर्घटनाग्रस्त होती ही आग लगी थी, हमले का कोई संकेत नहीं मिला: ईरानी सेना

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी जिस हेलीकॉप्टर में सवार थे उसमें दुर्घटनाग्रस्त होते ही आग लग गई थी और इस बात का कोई संकेत नहीं मिला है कि उस पर कोई हमला किया गया था। ईरानी मीडिया ने हादसे के जांचकर्ताओं के हवाले यह जानकारी दी। रविवार को हुई दुर्घटना में रईसी के अलावा देश के विदेश मंत्री और छह अन्य लोगों की मौत हो गई थी। दुर्घटना की जांच कर रहे सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ का बयान बृस्पतिवार देर रात सरकारी टेलीविजन चैनल पर पढ़ा गया। दुर्घटना को लेकर जारी पहले बयान में किसी को दोषी नहीं ठहराया गया है लेकिन कहा गया है कि आगे की जांच के बाद और जानकारी मिलेगी। जनरल स्टाफ के बयान में कहा गया है कि दुर्घटना से पहले नियंत्रण टॉवर और हेलीकॉप्टर के चालक दल के बीच स्थापित हुए संचार में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इसमें कहा गया है कि हेलीकॉप्टर ने हादसे से करीब 90 सेकंड पहले दो अन्य हेलीकॉप्टर से संचार स्थापित किया था। बयान में कहा गया है कि हेलीकॉप्टर पर हमला होने का कोई संकेत नहीं मिला है और इसके मार्ग में भी कोई बदलाव नहीं हुआ था। 'बेल' हेलीकॉप्टर ईरान के उत्तर-पश्चिम में कोहरे वाले सुदूर पहाड़ी इलाके में रविवार को दुर्घटनाग्रस्त होकर गिर गया था।

सहकारी संस्थाओं में वित्तीय घपले को लेकर गृहमंत्री लामिछाने के खिलाफ पीड़ितों ने शुरू किया अनशन

काठमांडू। सहकारी संस्थाओं के धन की व्यापक अनियमितता मामले में घिरे गृहमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ पीड़ित व्यक्तियों ने शुक्रवार से रिले अनशन शुरू किया है। पोखरा, भैरहवा, बुटवल, चितवन और काठमांडू के अलग अलग सहकारी संस्थाओं के पीड़ित व्यक्तियों ने एक समूह बनाकर आज से गृहमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ आन्दोलन शुरू किया है। काठमांडू के माइतीघर मंडला में सहकारी पीड़ितों ने रिले अनशन शुरू कर दिया है। इन पीड़ित पक्ष को विपक्षी दलों का भी समर्थन है। गृहमंत्री के खिलाफ प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों की तरफ से आगामी रविवार को विरोध प्रदर्शन करने का फैसला पहले ही किया जा चुका है। गृहमंत्री के खिलाफ काठमांडू सहित एक साथ कई शहरों में रिले अनशन की शुरुआत हुई है। आन्दोलनरत सहकारी पीड़ितों ने बताया कि आज पूर्वाह्न ठीक 11 बजे से काठमांडू के माईतीघर के अलावा पोखरा, बुटवल, भैरहवा, धरान, नवलपरासी और चितवन में भी रिले अनशन की शुरुआत हुई है। सहकारी बचतकर्ता संरक्षण राष्ट्रीय अभियान महासंघ के अध्यक्ष कुशलव केसी ने बताया कि जब तक बचतकर्ताओं का एक-एक पैसा वापस नहीं आ जाता, तब तक उनका आन्दोलन वापस नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं से करोड़ों रुपये का घपला करने वाले गृहमंत्री की भूमिका की जांच सरकार द्वारा नहीं किए जाने के कारण मजबूर होकर वे अनशन करने बैठे हैं।

नेपाल में कोरोना वायरस का नया वेरिएंट मिला, केपी 1 और केपी 2 की पुष्टि

काठमांडू। नेपाल में कोरोना वायरस का नया वेरिएंट मिला है। कई मरीजों की जांच के बाद वायरस के नए वेरिएंट केपी 1 और केपी 2 की पुष्टि हुई है। राष्ट्रीय जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला के प्रमुख डॉ. शेरबहादुर पुन ने बताया कि कोरोना रोगियों के रैंडम सैम्पलिंग की जांच करने 40 प्रतिशत लोगों में केपी 1 और केपी 2 वेरिएंट होने की पुष्टि की गई है। उन्होंने कहा कि नेपाल में पहली बार मिला कोरोना वायरस का नया वेरिएंट कोरोना के ओमिक्रोन का ही सब वेरिएंट है। यह वेरिएंट अभी सिंगापुर, अमेरिका, यूरोप और कई अफ्रीकी देशों में देखने को मिला है। डॉ. शेरबहादुर पुन ने नेपाल में भी इसके तेजी से फैलने की बात स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि यह कितना खतरनाक है, इस बात का अभी तक पता नहीं चल पाया है। डॉ. पुन ने कहा कि हालांकि, यह शरीर में प्राकृतिक रूप से विकसित हो रहा है लेकिन यह कितना आगे बढ़ेगा और किस स्तर तक नुकसान करेगा, इस बात की जांच चल रही है।

स्रेब्रेनिका नरसंहार की याद में संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव से भारत ने बनाई दूरी

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। यूगोस्लाविया के विघटन के बाद हुए गृह युद्ध के दौरान 1995 में स्रेब्रेनिका में बड़े पैमाने पर नरसंहार हुआ था। अब इस नरसंहार की याद में एनुअल डे मनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव लाया गया। लेकिन भारत ने इस प्रस्ताव से अलग रहने का फैसला किया। जर्मनी और रवांडा द्वारा लाये गए प्रस्ताव पर गुरुवार को 193 सदस्यीय महासभा में केवल 84 वोट पड़े। इससे विभिन्न देशों में मतभेद खुलकर सामने आ गए, क्योंकि ऐसे प्रस्ताव सर्वसम्मति से अपनाए जाते हैं। उन्नीस देशों ने इसके खिलाफ मतदान किया, जबकि 68 देश अनुपस्थित रहे और 22 ने बिलकुल अलग रहने का फैसला किया। भारत क्यों इस प्रस्ताव से दूर रहा, इसका कोई कारण नहीं बताया गया है। प्रस्ताव पारित होने के बाद, संयुक्त राष्ट्र हर साल 11 जुलाई को स्रेब्रेनिका में 1995 के नरसंहार का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाएगा।

1995 में बोस्निआ में 8000 मुसलमानों की हत्या हुई थी। गृहयुद्ध से जूझ रहे बोस्निया में आजादी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों को देखते ही गोली मार दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र में जर्मनी के स्थायी प्रतिनिधि एंटजे लेन्डर्टसे ने कहा कि उनका देश जर्मन नाज़ी द्वारा किए गए नरसंहार को दोबारा होने से रोकने के लिए प्रस्ताव को प्रायोजित कर रहा था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाज़ियों ने 60 लाख यहूदियों को मार डाला था। लेन्डर्टसे ने कहा कि यह बोस्निया में स्रेब्रेनिका नरसंहार के पीड़ितों की याद का सम्मान करने के लिए था और यह सर्बों के खिलाफ नहीं था, बल्कि केवल उन लोगों के खिलाफ था जिन्होंने हत्याएं कीं। पड़ोसी देश सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने जर्मनी के इतिहास को देखते हुए इस तरह का प्रस्ताव पेश करने के रुख पर सवाल उठाया और कहा कि इसे राजनीतिक कारणों से और सर्बियाई लोगों को कलंकित करने के लिए पेश किया गया था। उन्होंने कहा, जिन लोगों ने नरसंहार को अंजाम दिया, उन पर पहले ही मुकदमा चलाया जा चुका है, दोषी ठहराया गया है और जेल की सजा सुनाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव एकतरफा है। इस प्रस्ताव को पश्चिम और रूस के बीच टकराव के नजरिये से भी देखा जा रहा है, क्योंकि सर्बिया मास्को का सहयोगी देश है। अधिकांश मुस्लिम देशों ने प्रस्ताव पर पश्चिमी देशों के साथ मतदान किया, उन्होंने गाजा में हो रही हत्या का भी मुद्दा उठाया।

चीन की सेना ने 'सख्त सजा' के तहत ताइवान के नजदीक अभ्यास किया

बीजिंग/ताइपे। चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने शुक्रवार को ''सत्ता पर कब्जा करने'' की अपनी क्षमता का परीक्षण किया। उसने कहा कि उसकी सेनाओं ने ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग-ते की टिप्पणी के जवाब में स्वशासित द्वीप के आसपास बड़े पैमाने पर अभ्यास शुरू किया। चिंग ते ने ताइवान पर चीन की संप्रभुता के दावों को खारिज कर दिया था। पीएलए की पूर्वी थियेटर कमान के प्रवक्ता ली शी ने कहा कि सेना, नौसेना, वायु सेना और रॉकेट बलों की संयुक्त सेनाओं ने दो दिवसीय अभ्यास के समापन के दिन क्षेत्र पर नियंत्रण और कब्जे के अभ्यास पर ध्यान केंद्रित किया। यह युद्धाभ्यास ताइवान द्वीप के आसपास किया गया।

उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''युद्ध के मैदान पर संयुक्त रूप से नियंत्रण करने, संयुक्त हमले शुरू करने और महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए कमान की क्षमताओं का परीक्षण करने के वास्ते द्वीप समूह के अंदर और बाहर एकीकृत अभियान शुरू किया गया। चीन के तट रक्षक बल ने अलग से जारी बयान में कहा कि उसने ताइवान जलडमरूमध्य में अपने अभ्यास पर ध्यान केंद्रित किया है। यह संकरा जल क्षेत्र है जो चीन की मुख्य भूमि को ताइवान से अलग करता है। इस दौरान सत्यापन और पहचान के साथ ही संघर्ष के समय किसी भी विदेशी जहाज को चेतावनी और निष्कासन का भी अभ्यास किया गया। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि पीएलए अगस्त 2022 में तत्कालीन अमेरिकी संसद के निम्न सदन प्रतिनिधि सभा की तत्कालीन अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की यात्रा के बाद से आक्रामक सैन्य अभ्यास कर रही है। उसने सैन्य कार्रवाई के माध्यम से ताइवान पर संभावित कब्जे का अभ्यास किया। ताइवान के शीर्ष नेताओं के मुताबिक चीन, ताइवान को एक बागी प्रांत के रूप में देखता है, जिसे बलपूर्वक भी मुख्य भूमि के साथ फिर से एकीकृत करना चाहता है और 2027 में अपना आक्रमण शुरू कर सकता है। पीएलए के पूर्वी थिएटर कमान ने बृहस्पतिवार को दो दिवसीय अभ्यास शुरू किया। उसने कहा कि ''यह अभ्यास 'ताइवान की आजादी' के समर्थकों के अलगाववादी कृत्यों के लिए कड़ी सजा और बाहरी ताकतों के हस्तक्षेप एवं उकसावे के खिलाफ कड़ी चेतावनी के रूप में भी काम करता है।''

वर्ष 1918 में डूबे पोत के मलबे से बरामद दुर्लभ भारतीय नोट की लंदन में नीलामी होगी

लंदन। वर्ष 1918 में लंदन से बंबई जाते समय समुद्र में एक पोत के डूबने के बाद उसके मलबे से मिले 10 रुपये के दो दुर्लभ भारतीय नोटों की अगले बुधवार को नीलामी की जाएगी। एसएस शिराला नामक पोत के मलबे से 10 रुपये के दो बैंक नोट बरामद किए गए थे, जिसे दो जुलाई, 1918 को एक जर्मन यू-बोट (पनडुब्बी) द्वारा डुबाया गया था। इन नोट पर 25 मई, 1918 की तारीख अंकित है। लंदन में नूनन्स मेफेयर नीलामी घर अपनी 'विश्व बैंकनोट' बिक्री के तहत इन नोटों को बोली लगाने के लिए पेश करेगा और अनुमान है कि इनकी कीमत 2,000 से 2,600 पाउंड के बीच रहेगी।

नूनन्स में मुद्राशास्त्र से जुड़े मामलों की वैश्विक प्रमुख थॉमसिना स्मिथ ने कहा, ''इन नोटों की पूरी खेप के साथ मुरब्बे से लेकर गोला-बारूद तक सामग्री लंदन से बंबई भेजी जा रही थी, जब पोत को एक जर्मन यू-बोट द्वारा डुबा दिया गया। उन्होंने कहा, ''कई नोट तैरकर किनारे पर आ गए जिनमें बिना हस्ताक्षर वाले पांच और 10 रुपये के नोट और एक रुपये के हस्ताक्षरित नोट शामिल थे। इनमें से एक रुपये का एक नोट इस नीलामी में भी शामिल है। अधिकांश नोट को बरामद कर लिया गया और बाद में सरकार द्वारा इन्हें नष्ट करा दिया गया और उनके स्थान पर नए नोट छापे गए। लेकिन कुछ नोट निजी लोगों के पास रह गए। स्मिथ ने कहा कि उन्होंने इस तरह के नोट पहले कभी नहीं देखे हैं और ये नोट 'बैंक ऑफ इंग्लैंड' द्वारा सोशल मीडिया पर 1918 में जहाज के विध्वंस की घटना का उल्लेख करने के बाद प्रकाश में आए। उन्होंने कहा कि ये नोट बहुत ही अच्छी स्थिति में हैं और वे निश्चित तौर पर नोट की गड्डी के मध्य में रहे होंगे जिससे वह समुद्री पानी में भीग नहीं पाए।

गाजा से तीन और बंधकों के शव बरामद: इजराइली सेना

तेल अवीव (इजराइल)। इजराइल की सेना ने शुक्रवार को कहा कि पिछले साल सात अक्टूबर को मारे गए तीन और बंधकों के शव रात को गाजा से बरामद किए गए। उधर संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने इस बारे में नियम बनाने की तैयारी कर ली है कि क्या इजराइल को अपने सैन्य अभियानों को बंद करना चाहिए। सेना ने बताया कि हनान याब्लोंका, मिशेल निसेनबॉम और ओरियन हर्नांदेज के शव मिल गए हैं और उनके परिवारों को सूचित कर दिया गया है।

सेना के मुताबिक, हमास द्वारा मेफालिज्म चौराहे पर किए गए एक हमले में तीनों मारे गए थे और उनके शव गाजा ले जाए गए थे। सेना ने करीब एक हफ्ते पहले ही कहा था कि उसे सात अक्टूबर को मारे गए तीन अन्य इजराइली बंधकों के शव मिले हैं। हमास चरमपंथियों ने सात अक्टूबर को इजराइल पर हमला कर दिया था, जिसमें करीब 1,200 लोग मारे गए थे। इनमें अधिकतर आम नागरिक थे। हमास ने करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया था। तब से अब तक करीब आधे बंधकों को छोड़ा जा चुका है, जिनमें से अधिकतर को इजराइल द्वारा कैद में डाले गए फलस्तीनियों को नवंबर में सप्ताह भर चले संघर्ष विराम के दौरान रिहा किये जाने के बदले छोड़ा गया। इजराइल का दावा है कि गाजा में अब भी करीब 100 लोगों को बंधक बनाकर रखा गया है। उसने 30 और बंधकों के मारे जाने का दावा भी किया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास को खत्म करने और सभी बंधकों को वापस लाने का संकल्प लिया है, लेकिन उन्हें फिलहाल बहुत कम सफलता मिली है। उन पर इस्तीफा देने का दबाव है और अमेरिका ने गाजा में मानवीय स्थिति को देखते हुए इजराइल को दिये जा रहे समर्थन में कटौती करने की धमकी दी है। नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि अपहृत नागरिकों, मारे गए लोगों और जीवित लोगों, सभी को वापस लाने की जिम्मेदारी देश की है।

चीन ने तिब्बत से मालदीव के लिए पेयजल की दूसरी खेप भेजी

माले,एजेंसी। चीन ने मालदीव को 1,500 टन पानी की खेप सौंपी है, जो दो महीने से भी कम समय में इस तरह का दूसरा योगदान है। ये पानी तिब्बती ग्लेशियरों से प्राप्त किया गया है। एक मीडिया खबर में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। यह उन कई अनुदानों और सहायता में सबसे हालिया खेप है जिसका चीन ने मालदीव को वादा किया है, खासकर जब से चीन समर्थक मोहम्मद मुइज्जू ने नवंबर 2023 में राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला है। समाचार पोर्टल सन डॉट एमवी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन के जिजांग स्वायत्त क्षेत्र ने बृहस्पतिवार को मालदीव सरकार को 1,500 टन पेयजल दान दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्रालय ने कहा कि दान किया गया पानी पेयजल की किल्लत के दौरान उपयोग के लिए नागरिकों को वितरित किया जाएगा। इससे पहले 27 मार्च को मालदीव सरकार ने उसे चीन से 1,500 टन पानी की ऐसी ही खेप मिलने की घोषणा की थी। यहां आयोजित एक समारोह में मालदीव में चीनी राजदूत वांग

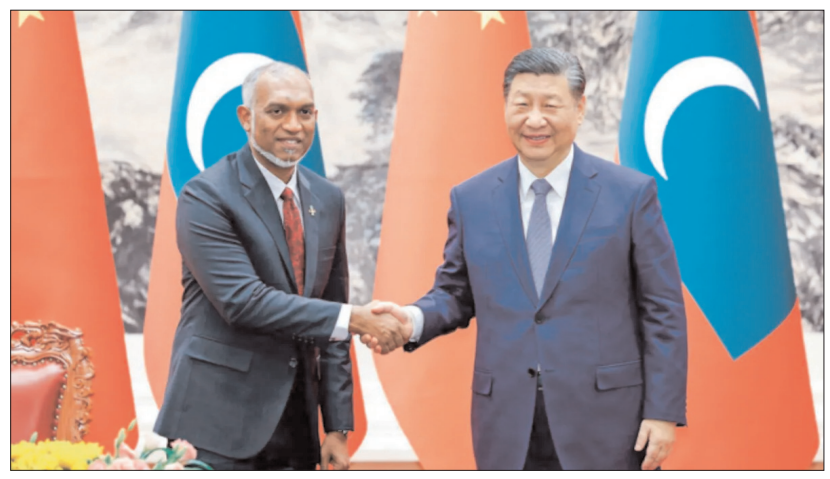

लिक्सिन ने विदेश मंत्री मूसा जमीर को ये खेप सौंपी। इस मौके पर जमीर ने कहा कि चीन ''मालदीव का अच्छा दोस्त'' है, खासकर चुनौतीपूर्ण समय और संकट के दौरान ये अहम सहयोगी हैं। दिसंबर 2014 में, माले जल और सीवरेज कंपनी परिसर में भीषण आग लगने के बाद मालदीव अपने अपने सबसे खराब जल संकट से गुजर रहा था और इसी दौरान भारत ने चार दिसंबर 2014 को 'ऑपरेशन नीर' चलाकर मालदीव को पानी उपलब्ध कराया था।

कमल किशोर का संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के प्रतिनिधि के रूप में कार्यकाल शुरू हुआ

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। आपदा एवं जलवायु जोखिम प्रबंधन से जुड़े शीर्ष भारतीय अधिकारी कमल किशोर ने संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंतोनियो गुतारेस के विशेष प्रतिनिधि (आपदा जोखिम उपशमन) के रूप में अपने कार्यकाल की शुरुआत की है। गुतारेस ने 28 मार्च को किशोर (55) को अपना विशेष प्रतिनिधि (आपदा जोखिम उपशमन) एवं संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम उपशमन कार्यालय (यूएनडीआरआर) का प्रमुख नियुक्त किया था। किशोर इससे पहले राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) से संबद्ध थे। अब उन्होंने संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम उपशमन कार्यालय में जापान की मामी मिजूटोरी की जगह ली है। यूएनडीआरआर ने 20 मई को किशोर के आगमन का स्वागत किया जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव के विशेष प्रतिनिधि (आपदा जोखिम उपशमन) (एसआरएसजी) तथा यूएनडीआरआर के प्रमुख के तौर पर अपना कार्यकाल प्रारंभ किया। कार्यालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। किशोर ने कहा कि यूएनडीआरआर बढ़ती आशंकाओं के

आलोक में आपदा जोखिमों को कम करने के वैश्विक प्रयास को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि वह अबतक हुई प्रगति को आगे ले जाने के लिए आशान्वित हैं। उन्होंने कहा, ''यूएनडीआरआर की महत्वाकांक्षा इस समस्या के पैमाने से मेल खाती है।'' उन्होंने पूर्व एसआरएसजी मिजूटोरी के नेतृत्व की सराहना की तथा यूएनडीआरआर के निदेशक पाओलो अल्टब्रिटो को उनके आगमन से पूर्व कार्यवाहक एसआरएसजी के रूप में सेवा देने के लिए धन्यवाद दिया। किशोर 2015 से भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के विभागाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। उन्होंने जी 20 की भारत द्वारा अध्यक्षता संभालने के दौरान आपदा जोखिम उपशमन पर जी 20 कार्यबल की अध्यक्षता की थी। एनडीएमए से जुड़ने से पहले किशोर ने जिनेवा, नयी दिल्ली और न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) में करीब 13 साल गुजारे थे। इस दौरान उन्होंने संपोषणीय विकास लक्ष्यों में आपदा लचीलापन विषयों के समावेशन की खातिर तथा यूएनडीपी कार्यक्रम वाले देशों के वास्ते आपदा जोखिम उपशमन की वैश्विक टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय मुहिम की अगुवाई की थी। किशोर ने थाईलैंड के बैंकॉक स्थित 'एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी' से शहरी नियोजन, भू एवं आवास विकास में स्नातोकोत्तर (विज्ञान) किया है । उन्होंने रूड़की के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से वास्तुकला इंजीनियरिंग में स्नातक किया था।

अफ्रीका के 80 प्रतिशत क्षेत्र को 2030 तक इंटरनेट की सुविधा प्रदान करना चाहती हैं कमला हैरिस

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस वर्ष 2030 तक अफ्रीका के 80 प्रतिशत क्षेत्र तक इंटरनेट की सुविधा पहुंचाने के मद्देनजर एक नयी साझेदारी के गठन की घोषणा करने की योजना बना रही हैं। अफ्रीका में इंटरनेट की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को की गयी यह घोषणा पिछले साल कमला हैरिस की महाद्वीप की यात्रा के साथ-साथ केन्याई राष्ट्रपति विलियम रूटो की इस सप्ताह की वाशिंगटन यात्रा के क्रम में की गई है।

हैरिस और केन्याई नेता के बीच शुक्रवार को 'यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स' में इस बारे में बातचीत होने वाली थी कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी कैसे आर्थिक विकास को बढ़ा सकती है। 'एसोसिएटेड प्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक अफ्रीका में इंटरनेट की पहुंच बढ़ाने की दिशा में कमला हैरिस की ओर से की जाने वाली पहल का पूर्वावलोकन बताता है कि वह घाना, तंजानिया और

जाम्बिया की यात्रा के दौरान डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देने के लिए की गई प्रतिबद्धताओं को कैसे पूरा करना चाहती हैं। अफ्रीका को अपने औद्योगिक और तकनीकी क्षेत्रों के निर्माण के लिए आवश्यक पूंजी प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र ने पिछले साल बताया था कि महाद्वीप में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 2022 में गिरकर 45 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो 2021 में रिकॉर्ड उच्च 80 अरब अमेरिकी डॉलर था। दुनिया भर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में अफ्रीका की हिस्सेदारी केवल 3.5 प्रतिशत है, भले ही यह वैश्विक आबादी का लगभग 18 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है।

अदालत ने मानहानि मामले में भारतीय मूल के मंत्रियों को हर्जाना देने का आदेश दिया

सिंगापुर। सिंगापुर की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री ली सियन लूंग के भाई ली सियन यांग को मानहानि के एक मामले में भारतीय मूल के मंत्रियों के. षण्मुगम और विवियन बालाकृष्णन को दो-दो लाख सिंगापुरी डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया है। ली सियन यांग पर एक समृद्ध उपनगर में सरकारी संपत्तियों के किराये को लेकर भारतीय मूल के मंत्रियों को बदनाम करने का आरोप है। न्यायमूर्ति गोह यिहान ने शुक्रवार को जारी एक फैसले में दोनों मंत्रियों को हर्जाना देने के अपने कारण बताए। इन दोनों मंत्रियों ने ली के खिलाफ अलग-अलग मानहानि के दावे दायर किए थे। ली सियन यांग द्वारा पिछले साल 23 जुलाई को अपने फेसबुक पेज पर की गई टिप्पणियों को लेकर ये मुकदमे शुरू किए गए थे। उन्होंने फेसबुक पर अपनी टिप्पणी में कहा था कि मंत्रियों ने सिंगापुर भूमि प्राधिकरण (एसएलए) को रिडआउट रोड संपत्तियों के किराये में तरजीह देकर भ्रष्ट तरीके से काम किया था।

एक नजर

वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को 28 रनों से हराया

किंगस्टन। ब्रैंडन किंग की 45 गेंदों पर (79) की तूफानी पारी और उसके बाद गुडाकेश तथा फोर्ड ने 3-3 विकेट की घातक गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने पहले टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 28 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज को पहला विकेट सलामी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स (1) के रूप में गिरा। इसके बाद कप्तान ब्रैंडन किंग ने काईल मेयर्स के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिये 44 गेंदों में 79 रन जोड़े। काईल मेयर्स ने 25 गेंदों पर 34 रन और ब्रैंडन किंग ने 45 गेंदों पर 79 रन की पारी खेली। रोस्टन चेज ने 30 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 175 रनों का स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से ओटनील बार्टमैन और एंडिल फेहलुकवायो ने 3-3 विकेट लिए। गेराल्ड कोएत्जी ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद 176 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब और उसने अपना पहला विकेट क्विंटन डी कॉक (4) रूप में गवां दिया। दूसरे ही ओवर में दक्षिण अफ्रीका को दूसरा झटका रेयान रिकेल्टन (6) के रूप में। इस बीच दूसरे ओपनर रीजा हेंड्रिक्स ने रास्सी वैन डेर डुसने के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। हेंड्रिक्स ने 51 गेंदों पर 87 रन की पारी खेली। मैथ्यू ब्रीट्जके 13 गेंदों में (19) और रस्सी वैन डेर डुसेन (17) रन बनाकर आउट हुये। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को जमने अवसर नहीं दिया। उसके आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 19.5ओवर में 147 रन पर सिमट गई वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश ने और मैथ्यू फोर्ड ने 3-3 विकेट लिए। ओबेद मैककॉय को दो विकेट मिले। रोस्टन चेज और समीर जोसेफ ने 1-1 बल्लेबाज को आउट किया।

आईसीसी ने पुरुष टी20 विश्व कप के लिए स्टार सुसज्जित कमेंटरी पैनल की घोषणा की

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले महीने शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए शुक्रवार को स्टार सुसज्जित कमेंटरी पैनल की घोषणा की जिसमें क्रिकेट और प्रसारण के कुछ बड़े नाम जैसे पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री और महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर शामिल हैं। टी20 विश्व कप दो से 29 जून तक अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जायेगा। क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले दिनेश कार्तिक को भी कमेंटरी पैनल में चुना गया है। मुख्य कमेंटेटरों में शास्त्री, नासिर हुसैन, इयान स्मिथ, मेल जोंस, हर्षा भोगले और इयान बिशप शामिल हैं। आधुनिक खेल की जानकारी देने के लिए पूर्व पुरुष और महिला टी20 विश्व कप चैम्पियन जैसे कार्तिक, इबोनी रेनफोर्ड ब्रेंट, सैमुअल बद्री, कार्लोस ब्रेथवेट, स्टीव स्मिथ, आरोन फिंच और लिसा स्थालेकर शामिल हैं। पूर्व वनडे विश्व कप विजेता रिकी पोंटिंग, गावस्कर, मैथ्यू हेडन, रमीज राजा, इयोन मोर्गन, टॉम मूडी और वसीम अकरम भी अपना आकलन करेंगे। विश्व कप कमेंटरी में पदार्पण करने वालों में अमेरिकी कमेंटेटर जेम्स ओ ब्रायन शामिल हैं। कमेंटरी टीम के बड़े नामों में डेल स्टेन, ग्रीम स्मिथ, माइकल एथरटन, वकार यूनिस, सिमोन डोउल, शॉन पोलाक और कैटी मार्टिन के साथ प्रसारण में मशहूर क्रिकेटर एमपुमेलेलो एमबांग्वा, नटाली जर्मानोस, डैनी मोरिसन, अलीसन मिचेल, एलन विल्किन्स, ब्रायन मुर्गाट्रोयड, माइक हेसमैन, इयान वार्ड, अथर अली खान, रसेल अर्नाल्ड, नियाल ओ ब्रायन, कासा नायडू और वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन गंगा मौजूद हैं। आईसीसी टीम टी20 विश्व कप की एक एआई की मदद से बनने वाली फीड भी मुहैया करायेगी।

टी20 विश्व कप के दूत बने शाहिद अफरीदी

दुबई। पूर्व आल राउंडर शाहिद अफरीदी को शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के दो जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप का दूत बनाया गया। अफरीदी ने 2009 में पाकिस्तान की टी20 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभायी थी। इस तरह वह टूर्नामेंट दूत के उस ग्रुप में शामिल हो गये जिसमें भारत के युवराज सिंह, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और महान धावक उसेन बोल्ट मौजूद हैं। अफरीदी ने आईसीसी मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मेरे दिल के काफी करीब है।'' उन्होंने कहा, ''शुरूआती चरण में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' से 2009 में ट्राफी जीतने तक मेरे करियर के कुछ अहम पल इसी मंच पर खेलते हुए बने हैं। मैं इस चरण का बतौर दूत हिस्सा बनकर रोमांचित हूं जिसमें हम पहले से कहीं अधिक टीमें, अधिक मैच और यहां तक कि ज्यादा रोमांच देखेंगे। इंग्लैंड में 2009 में हुए टूर्नामेंट में अफरीदी पाकिस्तान के लिए दूसरे सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ी रहे थे, उन्होंने 140 के स्ट्राइक रेट से दो अर्धशतक से 176 रन बनाये थे। अफरीदी टी20 विश्व कप के छह चरण में खेल चुके हैं। उन्होंने कहा, ''मैं नौ जून को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को लेकर काफी उत्साहित हूं। यह खेल की बड़ी प्रतिद्वंद्विता में से एक है और न्यूयॉर्क दोनों टीमों के बीच इस रोमांचकारी मैच के आयोजन के लिए बिलकुल सही मंच है।''

सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स को 36 रन से हराकर पहुंची फाइनल में

चेन्नई,एजेंसी। हाइनरिक क्लासन (50), राहुल त्रिपाठी (37) और ट्रैविस हेड (34) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 36 रन से हराकर फाइनल में पहुंच गई है। 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। चौथे ओवर मे पैट कमिंस ने टॉम कोहलर कैडमोर (10) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद यशस्वी जयसवाल और कप्तान संजू सैमसन ने पारी को संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान आठवें ओवर में शाहबाज अहमद ने यशस्वी को समद के हाथों कैच आउट करा दिया। यशस्वी ने 21 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (42) रन बनाये। इसके बाद तो हैदराबाद के गेंदबाजों ने कातिलाना प्रदर्शन करते हुए कप्तान संजू सैमसन (10), रियान पराग (6), रवि अश्विन (शून्य), शिमरॉन हेटमायर(4) और रोवमन पॉवेल (6) के विकेट चटकाते हुए मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बना ली। ध्रुव जुरेल ने 35 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद (56) रन पर नाबाद रहे। राजस्थान की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 139 रन ही बना सकी और 36 से मुकाबला से हार गई।

हैदराबाद की जीत में पैट कमिंस की कप्तानी काबिल ए तारीफ रहीं। उनका बीच के ओवरों में अभिषेक शर्मा और शाहबाज अहमद से गेंदबाजी करना महत्वपूर्ण फैसला था। ओस का असर नहीं होने के कारण पिच काफी धीमी हो गई थी और गेंद स्पिन कर रही थी। हैदराबाद की ओर से शाहबाज अहमद तीन विकेट लिये। अभिषेक शर्मा को दो विकेट मिले। पैट कमिंस और थंगारसु नटराजन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 176 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां एम ए चिदंबरम स्?टेडियम में राजस्थान रायल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरे हैदराबाद की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर की आखिरी गेंद पर अभिषेक शर्मा (12) का विकेट गवां दिया।

उसके बाद पांचवें ओवर में ट्रेंट बोल्ट ने राहुल त्रिपाठी को आउट कर हैदराबाद को दूसरा झटका दिया। राहुल त्रिपाठी ने 15 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (37) रन बनाये। 10वें ओवर में संदीप शर्मा ने ट्रैविस हेड को अश्विन के हाथों कैच आउट करा दिया। हेड ने 28 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (34) रन बनाये। एडन मारक्रम (1), नितीश कुमार रेड्डी (5), अब्दुल समद (शून्य) और शाहबाज अहमद (18) और और जयदेव उनादकट (5) रन बनाकर आउट हुये। हाइनरिक क्लासन ने 34 गेंदों में चार छक्के लगाते हुए सर्वाधिक (50) रन बनाये। कप्तान पैट कमिंस (5) रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 175 रन का स्कोर खड़ा किया। राजस्थान रॉयल्स की ओर से ट्रेंट बोल्ट और आवेश खान ने तीन-तीन विकेट लिये। संदीप शर्मा को दो विकेट मिले।

भारतीय महिला हॉकी टीम बेल्जियम से 0-2 से हारी

एंटवर्प। भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग 2023/24 के यूरोपीय चरण के अपने दूसरे संघर्षपूर्ण मुकाबले में बेल्जियम से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। बेल्जियम के लिए एलेक्सिया टी सेरस्तेवेन्स (34') और लुइस ड्वाइट (36') ने एक-एक गोल किया। भारत ने मुकाबले में आक्रामक शुरुआत की और जल्द ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। हालांकि भारत ने बेल्जियम पर दबाव बनाना जारी रखा जबकि बेल्जियम ने जवाबी हमले पर भरोसा किया लेकिन भारतीय डिफेंस ने मजबूती से मुकाबला किया और हर हमले को नाकाम कर दिया। हालांकि बेल्जियम को मैच की शुरुआत में गेंद पर कब्जे के लिए संघर्ष करना पड़ा था। मेजबान टीम ने पहले क्वार्टर के अंत में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया जिसे भारतीय गोलकीपर सविता ने बिना किसी परेशानी के बचा लिया। इस बीच भारत ने सर्कल में कुछ प्रवेश किए लेकिन नेट नहीं ढूंढ सके और पहला क्वार्टर गोलरहित रहा। दूसरे कार्टर में बेल्जियम ने लगातार हमलों और पासिंग से दबाव बनाये रखा। भारत ने दबाव को बखूबी झेला और गेंद पर कब्जे तथा तेज पास से मैच का रुख अपनी तरफ रखने की कोशिश की। भारत ने बेल्जियम के डिफेंस को दो बार झकझोरा, लेकिन गतिरोध जारी रहा और पहला हाफ गोल रहित बराबरी पर समाप्त हुआ। बेल्जियम तीसरे क्वार्टर में आक्रामक अंदाज में उतरा और उसने दो मिनट में एलेक्सिया %टी%सेरस्तेवेन्स (34') और लुइस ड्वाइट (36') की मदद से दो मैदानी गोल कर 2-0 की बढ़त बना ली।

इस बीच भारत ने वापसी करने की कोशिश की और तीसरे क्वार्टर के अंत में एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन उसका फायदा नहीं उठा पाए। चौथे क्वार्टर में भारत ने बेल्जियम के डिफेंस की परीक्षा ली लेकिन मेजबान ने सफलतापूर्वक अपनी बढ़त का बचाव किया। भारत काफी कोशिश के बावजूद बेल्जियम का नेट नहीं ढूंढ सका और मैच बेल्जियम के पक्ष में 2-0 के साथ समाप्त हुआ। भारतीय फॉरवर्ड दीपिका सोरेंग ने मैच में अपना सीनियर पदार्पण किया। भारतीय महिला टीम 25 मई को अपने अगले मैच में बेल्जियम से फिर भिड़ेगी। इससे पहले भारतीय महिला हॉकी टीम प्रो लीग 2023/24 के यूरोपीय चरण में अपने पहले मैच में अर्जेंटीना से 0-5 से हार गई थी।

अमेरिका ने बंगलादेश को छह रन से हराया, सीरीज में बनाई 2-0 की अजेय बढ़त

ह्यूस्टन। अमेरिका और बांग्लादेश के बीच जारी तीन मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला गुरुवार को खेला गया। इस मैच में अमेरिका ने अपना दमखम दिखाते हुए शाकिब-अल-हसन की अगुवाई वाली टीम को छह रनों से हराकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। इससे पहले अमेरिका ने पहले टी20 मैच में बांग्लादेश के खिलाफ पांच विकेट से जीत दर्ज की थी। टी20 विश्व कप 2024 से पहले बांग्लादेश को दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मसार होना पड़ा है। उन्होंने टी20 सीरीज गंवा दी है।

पाकिस्तानी गेंदबाज ने दिलाई अमेरिका को जीत

प्रेरी व्यू क्रिकेट कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अमेरिका ने छह विकेट खोकर 144 रन बनाए। जवाब में मेहमान टीम 19.3 ओवर में 138 रनों के स्कोर पर सिमट गई। अमेरिका की लगातार दूसरी जीत में अली खान ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बांग्लादेश के तीन बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। 18वें ओवर में अली ने पहले शाकिब-अल-हसन को आउट किया। तीसरी गेंद पर तंजिम हसन शेख को पवेलियन भेजा। इसके बाद पारी के 20वें ओवर में रिशाद हुसैन का विकेट चटकाया। अली खान का जन्म पाकिस्तान में हुआ। उन्होंने 3.3 ओवर में सिर्फ 2 रन खर्च किए।

अमेरिका की पारी

दूसरे टी20 मैच में अमेरिका की शुरुआत अच्छी हुई थी। कप्तान मोनाक पटेल और स्टीवन टेलर के बीच पहले विकेट के लिए 44 रनों की साझेदारी हुई। इसे रिशाद हुसैन ने तोड़ा। उन्होंने स्टीवन को आउट किया। 28 गेंदों में वह 31 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद एंड्री गॉस बिना कोई रन बनाए पवेलियन लौटे। इस मैच में आरोन जोन्स 35, कोरी एंडरसन 11, हरमीत सिंह शून्य, मोनाक पटेल 42, नितीश कुमार सात (नाबाद) और शेडली (नाबाद) सात रन बनाए। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान और रिशाद हुसैन ने दो-दो विकेट चटकाए।

बांग्लादेश की पारी

145 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत झटके के साथ हुई। सौरभ नेत्रवलकर ने सौम्य सरकार को एक रन के स्कोर पर आउट किया। वह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। इसके बाद तंजिद हसन 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस मैच में नाजमुल हसन शांतो 3, तौहिद हृदौय 25, शाकिब अल हसन 30, महमुदुल्लाह तीन, जेकर अली चार, रिशाद हुसैन नौ, तंजिम हसन साकिब शून्य, शोरिफुल इस्लाम एक और मुस्तफिजुर रहमान (नाबाद) ने एक रन बनाया। अमेरिका के लिए अली खान ने तीन और सौरभ ने दो विकेट चटकाए।

तीरंदाजी विश्व कप: भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में, दीपिका सेमीफाइनल में

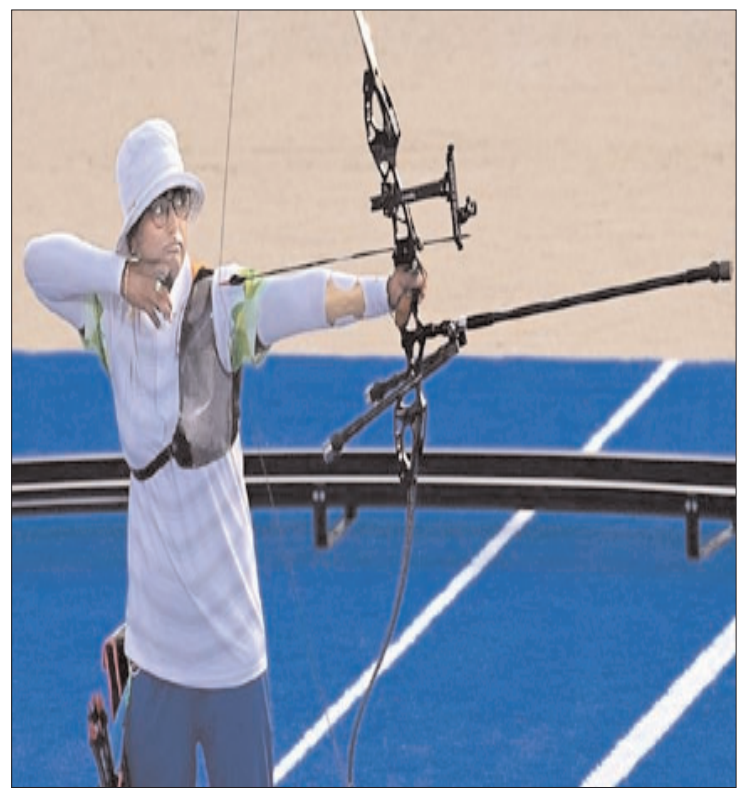

येचियोन (दक्षिण कोरिया)। ज्योति सुरेखा वेन्नम और प्रियांश की जोड़ी तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में शुक्रवार को कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गई जबकि दीपिका कुमारी ने शानदार वापसी करके व्यक्तिगत रिकर्व सेमीफाइनल में जगह बनाई। कंपाउंड महिला टीम बुधवार को ही फाइनल में पहुंच गई थी। ज्योति, परनीत कौर और अदिति स्वामी ने भारत का पहला पदक पक्का कर दिया था। युवा कंपाउंड तीरंदाज प्रथमेश फुगे व्यक्तिगत वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने 16 तीरों में दो अंक ही गंवाते हुए मेजबान देश के हान सियुंगियोन और यांग जाएवोन को 158.157 से हराया। अब उनका सामना अमेरिका की ओलिविया डीन और सायेर सुलिवान से होगा। इससे पहले ज्योति और प्रियांश ने वियतनाम को 159.152 से हराया था। वहीं क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त मेक्सिको को 156.155 से मात दी। दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी कर रही दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका ने लगातार चार जीत दर्ज करके अंतिम चार में जगह बनाई। वह रिकर्व वर्ग में अकेली भारतीय बची हैं। उनका सामना दुनिया की नंबर दो तीरंदाज दक्षिण कोरिया की लिम सिहयिओन से होगा जिसने शंघाई में पहले चरण में स्वर्ण पदक जीता था। दीपिका ने पहले दौर में स्लोवेनिया की टिंकारा कार्डिनार को शूटआफ में हराया था। इसके बाद वियतनाम की लोक थि दाओ को 6.2 से, फ्रांस की लिसा बारबेलिन को 6.0 से, तुर्की की एलिफ बेरा गोकिर को 6.4 से हराया। रिकर्व वर्ग के अन्य व्यक्तिगत मुकाबलों में भजन कौर पहले दौर में हार गई जबकि अंकिता भकत को दूसरे दौर में पराजय झेलनी पड़ी। पुरूष वर्ग में तरूणदीप राय और मृणाल चौहान पहले दौर में हार गए जबकि धीरज बोम्मादेवरा और प्रवीण जाधव को दूसरे दौर में पराजय मिली। दीपिका कुमारी और तरूणदीप राय की रिकर्व मिश्रित टीम को खाली हाथ लौटना पड़ेगा जो क्वार्टर फाइनल में स्पेन से 2.6 से हार गए। रिकर्व तीरंदाज टीम वर्ग में पदक की दौड़ से पहले ही बाहर हैं।

बेंगलुरु की हार पर रायडू ने कहा, पर्सनल माइलस्टोन नहीं, टीम पर करें फोकस

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सेलिब्रेशन और एग्रेशन देखकर अंबाती रायडू कमेंटरी के दौरान रो पड़े थे, लेकिन अब क्वालीफायर 2 में बेंगलुरु की हार के बाद रायडू ने सोशल मीडिया पर बवाल मचा दिया है। अंबाती रायडू ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुख्य खिलाड़ियों पर टीम के आगे पर्सनल माइलस्टोन पर फोकस रखने का आरोप लगाया।

सोशल मीडिया एक्स पर रायडू ने लिखा, मैं वास्तव में उन सभी बेंगलुरु समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने वर्षों से उत्साहपूर्वक टीम का समर्थन किया है। यदि टीम मैनेजमेंट और लीडर्स अपने पर्सनल माइलस्टोन से पहले टीम के बारे में सोचते... तो आरसीबी ने कई खिताब जीते होते। मुझे सच में बेंगलुरु फैंस के लिए बुरा लगता है। सोशल मीडिया एक्स पर रायडू की पोस्ट में आगे लिखा है, याद करिए कितने शानदार खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी ने जाने दिया। अपने मैनेजमेंट पर दबाव डालिए कि वो ऐसे खिलाड़ियों को टीम में वापस लाएं, जो टीम के बारे में सोचें। मेगा ऑक्शन में एक नया अध्याय शुरू हो सकता है। रायडू के शानदार 12 साल के आईपीएल करियर में उन्होंने छह बार (मुंबई के साथ तीन, सीएसके के साथ तीन) ट्रॉफी जीती, जिससे वह रोहित शर्मा के बाद छह बार ट्रॉफी जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। आईपीएल 2024 से आरसीबी के बाहर होने के बाद, चेन्नई के प्रशंसकों और खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर उस टीम को ट्रोल किया है जो अभी भी अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी की तलाश में है। इंस्टाग्राम पर रायडू ने गुरुवार को एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें रवींद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, मोइन अली और डेवोन कॉन्वे अपने पिछले साल के आईपीएल खिताब का आनंद ले रहे हैं और अपने हाथों से पांच ट्रॉफी जीतने का इशारा दे रहे हैं।

पीवी सिंधु चीन की हान यू को हराकर पहुंची सेमीफाइनल में

कुआलालंपुर,एजेंसी। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु शुक्रवार को चीन की हान यू हराकर मलेशिया मास्टर्स 2024 बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। कुआलालंपुर के एक्सियाटा एरिना में खेले गये क्वार्टरफाइनल में पीवी सिंधु ने 55 मिनट तक चले मुकाबले में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हान यू को 21-13, 14-21, 21-12 से हराया। दूसरा गेम हारने के बावजूद पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु निर्णायक गेम में अपना संयम बनाए रखने में सफल रही। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने 16-13 की बढ़त के बाद लगातार पांच अंक हासिल करते हुए पहला गेम जीत लिया। हान यू ने दूसरे गेम की अच्छी शुरुआत की और एक समय पर 15-3 की बढ़त बना ली। हालांकि सिंधु ने इस अंत को कम करते हुए स्कोर को 18-13 तक ले जाने में सफल रहीं, लेकिन हान यू ने जल्द ही कुछ अंक हासिल करते हुए दूसरा गेम जीत लिया और सिंधु को निर्णायक गेम खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। अंतिम गेम में 28 वर्षीय खिलाड़ी ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाते हुये 9-1 की बढ़त बना ली। उनकी यह जबरदस्त शुरुआत इस गेम को जीतने के लिए काफी रही और इसी के साथ उन्होंने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सिंधु बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से भिड़ेंगी। इस बीच, महिला एकल में अश्मिता चालिहा का अभियान क्वार्टरफाइनल में चीन की छठी वरीयता प्राप्त झांग यी से सीधे गेम में हारने के बाद समाप्त हो गया। दुनिया में 53वीं रैंकिंग वाली चालिहा को दुनिया की 16वें नंबर की प्रतिद्वंद्वी से 30 मिनट तक चले मैच में 21-10, 21-15 से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने इससे पहले दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी अमेरिका की बेइवेन झांग को 21-19, 16-21, 21-12 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की की थी।

एक नजर

फिया ग्लोबल के ग्राहकों की संख्या 10 करोड़ के पारः कंपनी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और नेपाल में ऐप आधारित सूक्ष्म ऋण सुविधा देने वाली फिनटेक कंपनी फिया ग्लोबल ने शुक्रवार को कहा कि उसके ग्राहकों की संख्या 10 करोड़ के ऊपर पहुंच गयी। डिजिटल एप फिनवेस्टा के माध्यम से सेवा दे रही कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसके ऐप के माध्यम से 155 करोड़ रुपये प्रतिदिन से अधिक लेनदेन हो रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार कंपनी के ग्राहकों में एक करोड़ से ज्यादा महिला ग्राहक हैं तथा उसका ग्राहकों का आधार 45 हजार गांवों और 4600 नगरों में फैला है। फिया ग्लोबल की सह-संस्थापक और मुख्य अधिशासी सीमा प्रेम ने कहा, हमें प्रसन्नता है कि हमने 10 करोड़ लोगों और सूक्ष्म उद्यमों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है जिससे उन्हें अब महंगी दरों पर कर्ज देने वाले स्रोतों पर निर्भर नहीं करना पड़ता। हमारा उद्देश्य नगद के डिजिटलीकरण से आगे जाना और आय पैदा करने के अवसर उपलब्ध कराकर स्थायी वित्तीय कल्याण करना है। फिया कमज़ोर आय वर्ग के लोगों के लिए डिजिटल भुगतान, ऋण और संग्रह, बीमा और वेल्थ मैनेजमेंट जैसी सेवाएं प्रदान करता है। कंपनी देश में विकसित बी2बी डिजिटल एप फिनवेस्टा और बैंकिंग प्रतिनिधियों आदि के जरिए काम करती है। फिया ग्लोबल ने कहा है कि उसके ऐप के जरिए ग्राहकों के बैंक खातों में 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कर्ज सहायता पहुंची है और इससे आजीविका के स्थायी स्रोतों का निर्माण हो रहा है। कंपनी के ग्राहकों में सूक्ष्म उद्यम भी शामिल हैं और 20 लाख से ज्यादा ने जनधन योजना और अटल पेंशन योजना जैसे सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में पंजीकरण कराया है।

जन्म प्रमाणपत्र मामले में आजम को मिली राहत, सात साल की सजा पर लगी रोक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिल गई है। न्यायालय ने आजम खान को बेटे अब्दुल्लाह आजम के दो फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में उन्हें राहत दी है। उनके खिलाफ सुनाए गए सात सात की कैद के सजा पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। हालांकि, पत्नी तंजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्लाह आजम को इस केस में राहत नहीं मिल पाई है। आजम परिवार ने इस केस में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सजा को चुनौती दी थी। दो बर्थ सर्टिफिकेट बनवाए जाने और उनका दुरुपयोग किए जाने के मामले में मिली सात साल की सजा के खिलाफ याचिकाओं के बाद हाईकोर्ट का फैसला आया है। आजम खान, अब्दुल्लाह आजम और तंजीन फात्मा को रामपुर की स्पेशल कोर्ट से फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट केस में सात सात साल की सजा सुनाई गई थी। इस मामले में आजम खान, पत्नी और बेटे ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में फैसला को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में आजम खान को राहत दी है। उनकी सजा पर रोक लगा दी है। उन्हें जमानत भी दे दी है। जमानत मिलने के बाद आजम खान का परिवार जेल से बाहर आ सकता है। आजम के साथ-साथ पत्नी और बेटे को भी हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। हालांकि, उनकी सजा पर रोक नहीं लगाई है। रामपुर की विशेष अदालत ने 18 अक्टूबर 2023 को तीनों को सात सात साल की सजा सुनाई थी। उन पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया था। उच्च न्यायालय के जस्टिस संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने फैसला सुनाया है। तीनों याचिकाओं पर सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने 14 मई को अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया था।

बहुमत के आंकड़े से काफी आगे निकल चुका है एनडीएः भानु वर्मा

देवरिया। केंद्रीय सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्योग राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने दावा किया कि पांच चरणों के मतदान के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बहुमत के आंकड़ों से काफी आगे निकल चुका है। श्री वर्मा ने कहा कि आज देश में मोदी के नाम की लहर नहीं बल्कि सुनामी चल रही है। पांच चरणों के मतदान के बाद जो अपडेट मिल रहे हैं। उसके अनुसार एनडीए गठबन्धन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत से आगे निकल चुकी है। आगे के दो चरणों मे सीटों का आंकड़ा 400 पार कर जायेगा। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में इंडी गठबन्धन एक भी सीट नहीं पा रही है,जनता इनको पूरी तरह नकार चुकी है। उन्होंने कहा कि देश को विकसित भारत बनाने,समृद्ध भारत बनाने,सशक्त भारत बनाने और विश्वगुरु भारत बनाने के लिये देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी को,भाजपा को,एनडीए गठबंधन को दिल खोलकर वोट कर रही है। इससे इंडी गठबंधन के नेताओ के होश उड़े हैं और वे अनाप-सनाप बातें कर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

केन्द्र ईएसी की बैठक में केरल के नए मुल्लई पेरियार बांध के प्रस्ताव को हटाएः स्टालिन

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने उच्चतम न्यायालय के आदेश का उल्लंघन कर मुल्लई पेरियार में नया बांध बनाने के केरल सरकार के कदम पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए शुक्रवार शाम केंद्र से विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) की आगामी 28 मई की बैठक के एजेंडा में शामिल केरल के इस प्रस्ताव को हटा देने का आग्रह किया। श्री स्टालिन ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव को एक अर्ध-सरकारी पत्र में कहा कि केरल में मौजूदा मुल्लई पेरियार बांध के बदले में एक नए बांध के निर्माण का प्रस्ताव उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के खिलाफ है और विशेषज्ञ समितियों द्वारा भी बार-बार पाया गया है बांध हर तरह से सुरक्षित है। यह अदालत की अवमानना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर शीर्ष अदालत के आदेशों का पालन नहीं किया गया तो तमिलनाडु सरकार केरल को भविष्य में ऐसे किसी भी प्रस्ताव को लाने से रोकने के लिए अवमानना कार्रवाई शुरू करने सहित कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगी। श्री स्टालिन ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन करते हुए मुल्लई पेरियार में एक नए बांध के निर्माण के लिए अध्ययन करने के केरल के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार के विचार पर तमिलनाडु सरकार की कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा, हमें

सूचित किया गया है कि ईएसी के तहत केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ) के तत्वावधान में मेसर्स सिंचाई डिजाइन और अनुसंधान बोर्ड (आईडीआरबी) केरल सरकार के उपरोक्त प्रस्ताव को अपनी आगामी बैठक के एजेंडे में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, केरल द्वारा कथित तौर पर मौजूदा मुल्लई पेरियार बांध के बदले में एक नया बांध बनाने का उपरोक्त प्रस्ताव माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के खिलाफ है। मौजूदा बांध को विभिन्न विशेषज्ञ समितियों द्वारा बार-बार सभी पहलुओं में सुरक्षित पाया गया है और उच्चतम न्यायालय ने 27 फरवरी, 2006 और सात मई, 2014 के अपने फैसलों में यह बात कही है।

उन्होंने दोहराया बाद में 2018 में जब केरल ने एक नए बांध के प्रस्ताव के लिए ईआईए अध्ययन के लिए टीओआर की मंजूरी प्राप्त करने का प्रयास किया तो इस मुद्दे को तमिलनाडु ने उच्चतम न्यायालय में उठाया और यह स्पष्ट रूप से फैसला सुनाया गया कि ऐसा कोई भी इस कदम के लिए न्यायालय की अनुमति की आवश्यकता होगी। श्री स्टालिन ने कहा, इस मुद्दे पर हमारी आपत्तियों को अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन विभाग द्वारा सचिव, एमओईएफ और ईएसी के सभी सदस्यों को पहले ही विस्तार से बता दिया गया है। मुख्यमंत्री ने श्री भूपेन्द्र यादव से आग्रह किया कि वे पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के संबंधित अधिकारियों और ईएसी के सदस्य सचिव को 28 मई को होने वाली ईएसी बैठक के दौरान नए बांध के लिए प्रस्तावित ईआईए पर एजेंडा आइटम को हटाने का निर्देश दें और ऐसे किसी भी प्रस्ताव पर भविष्य में विचार न करें। उन्होंने कहा, स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए मैं इस संबंध में आपके तत्काल व्यक्तिगत हस्तक्षेप का अनुरोध करता हूं।

अधिकारियों ने मीरवाइज को जामिया मस्जिद में नमाज अदा करने से रोकाः अंजुमन

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं कश्मीर के प्रमुख मौलवी मीरवाइज उमर फारूक को अधिकारियों ने लगातार चौथे शुक्रवार को श्रीनगर की ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में धर्मोपदेश देने और नमाज अदा करने से रोका। अंजुमन औकाफ जामा मस्जिद ने यह जानकारी दी है।

जामिया मस्जिद के प्रबंध निकाय ने कहा कि मौलवी मीरवाइज को गत तीन मई से शुक्रवार की नमाज अदा करने से रोका गया है। अंजुमन ने गहरा खेद व्यक्त करते हुए कहा कि मौलवी मीरवाइज को गत तीन मई से लगातार चौथे शुक्रवार को जामिया मस्जिद में धर्मोपदेश देने एवं नमाज अदा करने से रोका गया है। एक बयान में कहा गया है कि अधिकारियों के इस व्यवहार से सैंकड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। ये लोग शहर एवं पूरे देश से हर शुक्रवार को मीरवाइज के उपदेश एवं सलाह के लिए यहां आते है एवं निराश होकर लौट जाते है। बयान में प्रशासन से मीरवाइज से प्रतिबंध हटाने एवं उनको बिना रोक टोक के धार्मिक उपदेश देने एवं अपनी जिम्मेदारियां निभाने की अनुमति देने का आग्रह किया गया है।

भजनलाल सरकार भीषण गर्मी एवं लू से आमजन को राहत प्रदान करने के लिए पूरी एक्शन मोड में आ रही है नजर

जयपुर,एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की लगातार मॉनिटरिंग में राज्य सरकार वर्तमान में जारी प्रचंड गर्मी एवं लू से आमजन को राहत प्रदान करने के लिए पूरी एक्शन मोड में नजर आ रही है। राजधानी जयपुर से लेकर जिलों तक आमजन को पर्याप्त बिजली और पानी उपलब्ध कराने से लेकर गर्मी और लू-जनित बीमारियों से राहत दिलाने के लिए सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारी कंटिजेन्सी प्लान को अमल में लाने लिए फील्ड में डटे हुए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गर्मी की मार से गौ वंश और पशुधन को राहत प्रदान करने के लिए भी माकूल प्रबंध किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को भी मुख्य सचिव सुधांश पंत से बात कर निर्देश दिए कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सभी डिस्कॉम सहित पशुपालन और गोपालन विभागों में निरंतर मॉनिटरिंग रखते हुए सक्रियता से कार्य किया जाए और तत्काल कार्यवाही करते हुए राहत प्रदान की जाए। उन्होंने प्रदेश में आमजन से लेकर पशुधन को गर्मी से राहत दिलाने के लिए सभी विभागों को उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के निर्देश दिये। श्री शर्मा ने कहा कि प्राथमिकता से भीषण गर्मी और लू-प्रकोप संबंधी प्रबंधन कार्यों को समय से पूरा करें एवं इनकी निरंतर समीक्षा भी करे। श्री शर्मा ने प्रचण्ड गर्मी के हालात के मद्देनजर आमजन से अपील की है कि लू के प्रकोप से बचने के लिए विशेषकर बच्चे और बुजुर्ग दोपहर में बाहर निकलने से परहेज करें। लू से बचाव के लिए चिकित्सकीय एडवाइजरी का पालन करें। उन्होंने बिजली और पानी का भी समझदारीपूर्वक उपयोग करने की अपील की है ताकि अधिक मांग के समय बिजली ट्रिपिंग जैसी घटनाओं के कारण परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

श्री शर्मा के निर्देश पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने मौसमी बीमारियों एवं हीटवेव संबंधी व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। वहीं अस्पतालों में मरीजों के लिए कूलर, एसी, वाटर कूलर, दवा आदि से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रदेश के जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक केन्द्रों पर गेप एनालिसिस करते हुए व्यवस्थाएं दुरूस्त की गई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गोपालन विभाग ने समस्त जिला कलक्टर एवं जिला स्तरीय गोपालन समिति के अध्यक्ष को जिलों में संचालित गौशालाओं में गौवंश के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं अन्य जल प्रदाता एजेंसी के सहयोग से अविलम्ब पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री के निर्देश पर पशुपालन विभाग की ओर से गौशालाओं में गौवंश की चिकित्सा के लिए आपातकालीन औषधियां एवं सर्जिकल उपकरण खरीदने के लिए जिलों को एक-एक लाख रुपये का बजट उपलब्ध कराया गया है। सीएम ने कहा कि पानी की कमी या गर्मी के कारण गोवंश की मौत न हो, इस बात को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

हिमाचल में एससी, एसटी, ओबीसी के आरक्षण में कटौती की तैयारीः अनुराग

कुटलैहड़/नैनादेवी,एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने अस्तित्व से लेकर आज तक अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) विरोधी रही है वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सदा ही एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों के उत्थान के लिए कार्य करती आई है। श्री ठाकुर ने यह बातें कुटलैहड़ और श्री नैना देवी विधानसभा में अपने दर्जन भर से अधिक कार्यक्रमों और जनसभाओं के दौरान कहीं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों को सेना और एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के मुद्दों पर भी जमकर घेरा।

उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस ही है जिसने भारत में को धार्मिक आधार पर आरक्षण देने कि बीमारी शुरू की है। जहां भी इनकी राज्य सरकारें आती हैं वहां यह लोग एससी, एसटी और ओबीसी भाइयों-बहनों का आरक्षण छीन कर तुष्टिकरण के लिए अपने वोट बैंक को दे देते हैं। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू लोगों को क्यों नहीं बताते की क्या हिमाचल में भी वो एससी-एसटी और ओबीसी समुदाय का आरक्षण में कटौती की तैयारी में हैं या नहीं। राज्य के हमीरपुर संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार ठाकुर ने आगे बताया कि पिछले 10 वर्षों में वंचित हीं मोदी सरकार की वरीयता में रहे हैं। एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय का जो विकास मोदी जी ने किया है वह ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। हमारे एससी, एसटी और ओबीसी भाई बहन आज खुल कल भाजपा के पक्ष में आ गए हैं। हमीरपुर समेत संपूर्ण हिमाचल में प्रतिदिन सैकड़ो एससी, एसटी और ओबीसी परिवार भाजपा में शामिल हो रहे हैं क्योंकि मोदी सरकार कि जनकल्याणकारी

योजनाओं का अधिकतम लाभ इन्हीं को मिला है। श्री ठाकुर ने आगे कहा, ''कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में एससी समाज कल्याण के लिए प्रतिवर्ष मात्र 40 हजार करोड़ का बजट आवंटित किया जाता था। आज, भाजपा सरकार में एससी समुदाय के कल्याण का बजट 1 लाख 40 हजार करोड़ से अधिक है। प्रधान मंत्री मोदी के नेतृत्व में, सामाजिक न्याय मंत्रालय के बजट में अनुसूचित जातियों पर विशेष ध्यान देने के साथ 90 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि हुई है। आज कांग्रेस वाले अपनी स्पष्ट हार को देखते हुए संविधान का नाम लेकर झूठ और भ्रम फैला रहे हैं। लेकिन सच्चाई ये है की कांग्रेस ने हमेशा भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के योगदान को कम करके आंका है। कांग्रेस ने तो संविधान सभा के लिए बीआर अंबेडकर के चुनाव का भी विरोध किया था। जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने खुद को भारत रत्न से सम्मानित किया, लेकिन बीआर अंबेडकर जी को उनके निधन के बाद भी भारत रत्न नहीं दिया। उन्होंने आगे कहा, ''बाबा साहेब अम्बेडकर जी को भारत रत्न से तब सम्मानित किया गया जब जनता दल की सरकार भाजपा के समर्थन से सत्ता में थी। आज मोदी जी ने बाबा साहब को उनका उचित सम्मान दिया है। मोदी जी ने मऊ, नागपुर, मुंबई, दिल्ली और लंदन में पंच तीर्थ का निर्माण किया, संविधान दिवस मनाना शुरू किया और उनकी जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया। श्री ठाकुर ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू और कश्मीर से धारा 370 के निरस्त होने के बाद आज वहां अनुसूचित जाति के लोगों को आरक्षण मिल रहा है। किसान सम्मान निधि योजना जिससे 12 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हुए, उसमें 1.5 करोड़ किसान एससी समुदाय से हैं। उज्ज्वला योजना के तहत 35 फीसदी तक दलित महिलाओं को गैस कनेक्शन मिले हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के 71 फीसदी लाभार्थी एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के 80 फीसदी लाभार्थी छोटे और सीमांत किसान हैं जो एससी, एसटी और ओबीसी से आते हैं। आज 58 फीसदी स्कॉलरशिप हमारे एसटी और एससी छात्रों को मिला है।

प्रधानमंत्री बताएं, आपदा में हिमाचल को कहां धन दियाः सुक्खू

हमीरपुर,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बताएं हिमाचल प्रदेश को प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए कहां धन दिया। आंकड़ों के साथ प्रधानमंत्री को हिमाचल दौरे पर बात करनी चाहिए थी। हिमाचल को एनडीआरएफ व एसडीआरएफ का पैसा मिला है, जो आपदा आये या न आए मिलता ही है। प्रदेश सरकार ने 9900 करोड़ रुपये का संशोधित दावा नोट केंद्र सरकार को भेजा था, उसमें से भी कोई राशि नहीं मिली। भारतीय जनता पार्टी नेता झूठ बोलना छोड़कर यह बताना शुरू करें कि कितनी विशेष राहत राशि हिमाचल को केंद्र ने दी है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के नाहन व मंडी में दिए जुमलेबाज भाषण पर यह जवाब सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के कोट, चौरी व टौणीदेवी में जनसभाओं को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने कहा कि मोदी जी कह रहे हैं कि महिलाओं को 1500 रुपये नहीं मिले। उन्हें शायद विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने गलत जानकारी दे दी। प्रधानमंत्री को झूठ नहीं बोलना चाहिए, लाहौल स्पीति में महिलाओं को 1500 रुपये पेंशन मिलना शुरू हो गई है। 1150 रुपये सामाजिक सुरक्षा पेंशन ले रही 2.37 लाख महिलाओं को भी 1500 रुपये खाते में आना शुरू हो गए हैं। प्रधानमंत्री को जयराम ठाकुर को पूछना चाहिए कि वह 1500 रुपये रुकवाने चुनाव आयोग में क्यों गए। अगर भाजपा आज चुनाव आयोग में लिखकर दे कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है फार्म भर चुकीं महिलाओं के

खाते में कल 1500 रुपये आ जाएंगे। श्री सुक्खू ने कहा कि 1500 रुपये की गारंटी कांग्रेस की है, यह राशि महिलाओं को 4 जून के बाद मिल ही जाएगी। भाजपा व जयराम ठाकुर जितनी मर्जी ताकत लगा लें महिलाओं के पैसे नहीं रोक पाएंगे। भाजपा ने कांग्रेस के विधायकों को राजनीतिक मंडी में खरीदने के लिए पैसा लगाया, आपदा में देने के लिए उनके पास राशि नहीं थी। सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र बिके भी आपदा में नहीं दिखे। मैंने खुद दौरा किया तब चंडीगढ़ से आए। राजेंद्र बिके सुजानपुर की जनता की खनिज संपदा खड्डों से लूट रहे हैं। उनके कई ऋशर पार्टनरशिप में हैं, वह अपने काम करवाने ही आते थे जनता के काम कभी नहीं लाये। सुजानपुर का विकास कांग्रेस की देन है। राजेंद्र अब बिके ही रहेंगे, जनता की अदालत में टिकेंगे नहीं। वह जनता को जितने भी प्रलोभन दे लें, कोई चक्कर में आने वाला नहीं है। उन्होंने सुजानपुर की जनता के साथ धोखा किया है। उन्हें हमीरपुर जिला का विधायक रास नहीं आया, वह अपने मंत्री पद के लिए इतने महत्वाकांक्षी हो गए कि भाजपा की राजनीतिक मंडी में बिक गए। राज्यसभा चुनाव से पहले फ्रेश जूस हमारे साथ पिया, अभिषेक मनु सिंघवी को जिताने की कसमें खाते रहे, लेकिन मुझे क्या पता था पहले ही खुद को बेच चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार अनुराग ठाकुर को भी आजकल झूठ बोलने की आदत लग गई है। वह हमीरपुर मेडिकल कॉलेज को लेकर लगातार झूठ बोल रहे हैं। हमीरपुर का मेडिकल कॉलेज 3 मार्च 2014 को मंजूर हुआ था, 2015 में नहीं। श्री अनुराग झूठ बोलने की हद पार कर चुके हैं, उन्हें सच का ज्ञान नहीं। अगर मेडिकल कॉलेज भाजपा लाई होती तो उसका नामकरण डॉ राधाकृष्णन नहीं दीन दयाल उपाध्याय के नाम पर होता। चंबा मेडिकल कॉलेज जवाहरलाल नेहरू व नाहन मेडिकल कॉलेज यशवंत परमार जी के नाम पर है, क्योंकि यह कांग्रेस की देन है। भाजपा लाई होती तो अपने नेताओं के नाम पर नामकरण करती। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुजानपुर में लड़ाई ईमानदार व बेईमान के बीच है। कांग्रेस ने कैप्टन रणजीत को ईमानदारी पर टिकट दिया है, सुजानपुर की जनता उनका साथ दे, क्षेत्र में पानी, बेसहारा पशुओं सहित सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। मैं भी आपका विधायक बनकर ही काम करूंगा। लोकसभा के लिए सतपाल रायजादा को वोट दें। छब्बीस साल से भाजपा सांसद हमीरपुर सीट से बन रहा है, लेकिन काम कोई नहीं किया। ट्रेन हमीरपुर पहुंच गई और सीटी मारती हुई जा रही है, अनुराग ने रेलवे लाइन के मुद्दे पर भी हमेशा लोगों को ठगा है। अब वह कह रहे हैं कि प्रदेश सरकार पैसे नहीं दे रही। इस दौरान लोकसभा उम्मीदवार सतपाल रायजादा, विधानसभा उम्मीदवार कैप्टन रणजीत, विधायक चंद्रशेखर, पूर्व सीपीएस अनीता वर्मा, केसीसी बैंक चेयरमैन कुलदीप पठानिया, जिला अध्यक्ष सुमन भारती, विशेष पर्यवेक्षक संदीप, अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेश ठाकुर इत्यादि मौजूद थे।

छठा चरण में झारखंड के सभी 8963 बूथों पर वेब कास्टिंग से रखी जाएगी नजरः के. रवि कुमार

रांची,एजेंसी। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि छठे चरण के चार संसदीय निर्वाचन क्षेत्र रांची ,जमशेदपुर, गिरिडीह और धनबाद के सभी 8963 बूथों पर कंट्रोल रूम से वेब कास्टिंग से नजर रखी जाएगी। श्री कुमार ने शुक्रवार को यहां निर्वाचन सदन, धुर्वा में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यही जिम्मेदारी जिला निर्वाचन पदाधिकारी अपने कंट्रोल रूम से निभाएंगे। हर बूथ के भीतर और बाहर 4-डी कैमरे लगे हैं। सभी बूथों पर प्राथमिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। उन्होंने बताया कि बूथों पर मतदानकर्मी पहुंच गये हैं। सभी बूथ पर पारा मिलिट्री फोर्स की तैनाती की गयी है। निर्वाचन आयोग वेब कास्टिंग की मदद से वोटिंग स्पीड की भी मॉनिटरिंग करेगा और जरूरत के अनुसार मतदानकर्मियों को निर्देशित किया जाएगा। स्पीडी वोटिंग के लिए मतदानकर्मियों को ट्रेनिंग भी दी जा चुकी है, ताकि मतदाता को मतदान के लिए कतार में ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़े। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि सभी लोग परिवार संग चुनाव पर्व में उत्साह से हिस्सा लेते हुए मतदान जरूर करें

और पड़ोसियों, परिचितों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

श्री कुमार ने बताया कि छठे चरण में सभी चरणों से अधिक 82,16,506 मतदाता हैं। आसमें सर्वाधिक 22,85,237 मतदाता धनबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में हैं। जबकि, सबसे कम 18,64,660 मतदाता गिरिडीह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में हैं। उन्होंने बताया कि कुल 8963 बूथों में से 186 बूथों पर महिलाएं और 22 पर युवा व्यवस्था संभालेंगे। वहीं 15 यूनिक बूथ हैं, जिसे विशेष तरह से विकसित किया गया है। छठे चरण के चुनाव में कुल 290 थर्ड जेंडर के मतदाता हैं। उनमें जमशेदपुर में 133, धनबाद में 80, रांची में 69 और गिरिडीह में 8 थर्ड जेंडर के मतदाता मतदान करेंगे। उन्होंने हर संस्थान को अपने कर्मियों को मतदान दिवस 25 मई को नियमानुसार सवैतनिक अवकाश देने और मतदान के लिए प्रेरित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अनिवार्य सेवा वाले संस्थान भी अपने कर्मियों को वोटिंग की सुविधा दें।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)